गुरुज्ञान
पानी मे गिरने से जान नहीं जाती जान तब जाती है जब तैरना नहीं आता !!

www.tripuritimes.com

त्रिपुरी टाइम्स

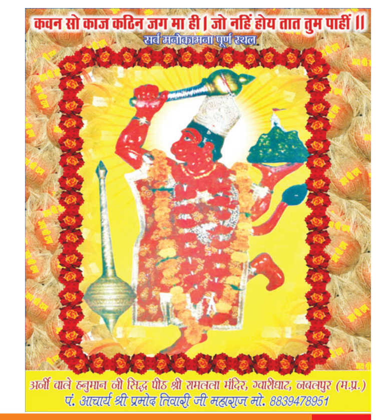

वर्ष 09 अंक 84

जबलपुर, सोमवार 22 अप्रैल 2024

tripuritimes@gmail.com

पृष्ठ संख्या : 8 मूल्य : 2 रुपए

भारत के लिए आधुनिकता उसका शरीर,आत्मा आध्यात्मिकता :मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि 'भारत के लिए आधुनिकता उसका शरीर है लेकिन उसकी आत्मा तो आध्यात्मिकता ही है। यदि आधुनिकता से आध्यात्मिकता को हटा दिया जाए तो अराजकता पैदा होगी। श्री मोदी ने महावीर जयंती के शुभ अवसर पर 2550वें भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव का उद्घाटन के अवसर पर यह बात कही। प्रधानमंत्री ने भगवान महावीर की मूर्ति पर चावल और फूलों की पंखुड़ियों से श्रद्धांजलि अर्पित की और स्कूली बच्चों द्वारा भगवान महावीर स्वामी पर वर्तमान में वर्धमान नामक नृत्य नाटिका की प्रस्तुति देखी। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने एक स्मारक डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया। श्री मोदी ने इस मौके पर उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि भव्य भारत मंडपम आज 2550वें भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव का गवाह है। स्कूली बच्चों द्वारा भगवान महावीर स्वामी पर प्रस्तुत नृत्य नाटिका 'वर्तमान में वर्धमान' का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भगवान महावीर के मूल्यों के प्रति युवाओं का समर्पण और प्रतिबद्धता देश के सही दिशा में आगे बढ़ने का संकेत है। उन्होंने जैन समुदाय को उनके मार्गदर्शन और आशीर्वाद के लिए धन्यवाद दिया और जैन समुदाय के संतों को नमन करने के साथ-साथ सभी नागरिकों को महावीर जयंती की शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित की और आचार्य के साथ अपनी हाल ही में हुई मुलाकात को याद करते हुए कहा, उनका आशीर्वाद अभी भी हमारा मार्गदर्शन कर रहा है। प्रधानमंत्री ने भगवान महावीर निर्वाण के 2550वें महोत्सव के महत्व पर जोर दिया और अमृत काल के प्रारंभिक चरण जैसे विभिन्न सुखद संयोगों का उल्लेख किया जब देश आजादी की स्वर्ण शताब्दी की ओर काम कर रहा था। उन्होंने संविधान के 75वें वर्ष और लोकतंत्र के उत्सव का भी उल्लेख किया जो राष्ट्र की भविष्य की दिशा तय करेगा। श्री मोदी ने रेखांकित किया, अमृत काल का विचार केवल एक संकल्प नहीं है बल्कि एक आध्यात्मिक प्रेरणा है जो हमें अमरता और अनंत काल तक जीने की अनुमति देता है। हम 2500 वर्षों के बाद भी भगवान महावीर का निर्वाण दिवस मना रहे हैं और मुझे यकीन है कि देश आने वाले हजारों वर्षों तक भगवान महावीर के मूल्यों का उत्सव मनाता रहेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की सदियों और सहस्राब्दियों की कल्पना करने की ताकत और उसके दूरदर्शी दृष्टिकोण ने इसे पृथ्वी पर सबसे लंबे समय तक जीवित रहने वाली सभ्यता और आज मानवता के लिए स्वर्ग बना दिया है। उन्होंने कहा, यह भारत है जो अपने लिए नहीं बल्कि सभी के लिए सोचता है और सभी पर विश्वास करता है। यह भारत है जो न केवल परंपराओं की बात करता है बल्कि नीतियों की भी बात करता है। यह भारत ही है जो शरीर में ब्रह्मांड, जगत में ब्रह्मा और जीव में शिव की बात करता है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि ठहराव के कारण विचार मतभेदों में बदल सकते हैं और चर्चा की प्रकृति के आधार पर चर्चा नई संभावनाओं के साथ-साथ विनाश का कारण भी बन सकती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पिछले 75 वर्षों के मंथन से इस अमृत काल में अमृत निकलना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा, हमारे तीर्थंकरों की शिक्षा ने ऐसे समय में एक नई प्रासंगिकता हासिल की है, जब विश्व स्तर पर, कई देश युद्ध में शामिल हो रहे हैं।श्री मोदी ने अनेकांतवाद और स्याद्वाद जैसे दर्शनों को याद किया जो हमें सभी पहलुओं को देखना और दूसरों के विचारों को भी अपनाना सिखाते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज संघर्ष के इस समय में मानवता भारत से शांति की उम्मीद कर रही है। उन्होंने कहा कि यह बढ़ता महत्व इसकी सांस्कृतिक छवि, बढ़ती क्षमताओं और विदेश नीति के कारण है। उन्होंने कहा, आज हमने सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों को वैश्विक मंच पर पूरे विश्वास के साथ रखा है।

भाजपा की सुविधा के लिए 1 जून तक कराया जा रहा मतदानः सीएम ममता बनर्जी

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग को लपेटे में लिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय चुनाव आयोग ने पीएम नरेंद्र मोदी और बीजेपी के लोगों को आराम देने के लिए मतदान की तारीख 1 जून तक रखी है ताकि बीजेपी के लोगों देश के संसाधनों का जमकर उपयोग कर सकें और उन्हें चुनावी प्रचार का पूरा वक्त मिले।मालदा जिले के गाजोल में टीएमसी उम्मीदवार और पूर्व आईपीएस अधिकारी प्रसून बनर्जी के समर्थन में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि 19 अप्रैल से 1 जून तक चुनाव निर्धारित किए गए हैं ताकि मोदी और उनके कैबिनेट सहयोगी विशेष विमानों से यात्रा कर सकें और जमकर प्रचार कर सकें। देश में हर चरण से पहले उन्हें विपक्ष पर हावी होना है। पश्चिम बंगाल के भाजपा और कांग्रेस सांसदों पर हमला करते हुए , बनर्जी ने आरोप लगाया कि 2019 में राज्य से चुने जाने के बावजूद, उनमें से किसी ने भी मनरेगा धन जारी करने के संबंध में राज्य का मामला नहीं उठाया। उन्होंने कहा , हमारे (टीएमसी) सांसद जब पिछले साल नवंबर में मनरेगा की धनराशि जारी करने की मांग को लेकर दिल्ली गए थे तो उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। लेकिन कांग्रेस और भाजपा सांसदों ने गरीबों के लिए क्या किया है? कुछ भी नहीं। लेकिन, बंगाल भीख नहीं मांगेगा। मैं आपकी रॉयल बंगाल टाइगर हूं। हमें जितने अधिक सांसद मिलेंगे, उतना अधिक काम होगा। बनर्जी ने सीपीआई (एम) और कांग्रेस पर भाजपा को बढ़ावा देने का आरोप लगाया और लोगों से किसी भी गैर-टीएमसी उम्मीदवार को वोट नहीं देने का आग्रह किया। मैंने ही इंडिया ब्लॉक का नाम दिया था। लेकिन बंगाल में इंडिया गुट नहीं है। हमारे लिए, यह राज्य के बाहर है, अंदर नहीं। ममता बनर्जी ने आगे कहा, ह्लपहले चुनाव मई तक समाप्त हो जाते थे, लेकिन इस साल, इसे 1 जून तक बढ़ा दिया गया है ताकि पीएम मोदी सैन्य विमानों पर विभिन्न स्थानों का दौरा कर सकें। जबकि, दूसरी तरफ हमें हेलीकॉप्टर अपने स्वयं की व्यवस्था से जुटाने करने के लिए कहा जा रहा है।

पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में एक नक्सली ढेर

नई दिल्ली, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में एक नक्सली को पुलिस ने ढेर कर दिया है। छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में सुरक्षा बलों के साथ अलग-अलग मुठभेड़ों में इस साल अब तक 80 नक्सली मारे जा चुके हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि भैरमगढ़ थाना क्षेत्र के केशकुतुल गांव के पास एक जंगल में कई नक्सलियों के होने की सूचना मिली। सुबह करीब साढ़े पांच बजे गोलीबारी शुरू होगी। जब डीआरजी की एक टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। उन्होंने कहा कि रायपुर से लगभग 400 किलोमीटर दूर स्थित केशकुतुल-केशमुंडी जंगलों में नक्सलियों के डिवीजन सप्लाई टीम कमांडर कवासी पंडारू और 15-20 अन्य कैडरों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर ऑपरेशन शुरू किया गया था। दोनों और से गोलीबारी शुरू हुई जिसमें एक नक्सली को मार गिराया। अधिकारी ने बताया कि गोलीबारी रुकने के बाद घटनास्थल से एक नक्सली का शव, एक हथियार और विस्फोटक बरामद किया गया।

शादी समारोह से लौट रही वैन को ट्राले ने मारी टक्कर, 9 युवकों की दर्दनाक मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान के झालावाड़ जिले में एक दर्दनाक हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई। वहीं, एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ है। हादसा इतना भयानक था कि टक्कर के बाद वैन के परखच्चे उड़ गए और मौके पर चीख-पुकार मच गई। झालावाड़-अकलेरा के पचोला में हुए इस हादसे की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी लेकर घायल हो अस्पताल में भर्ती कराया। जानकारी के अनुसार हादसा आज सुबह जिले के अकलेरा थाना क्षेत्र में हुआ। हादसे का शिकार हुए लोग मध्यप्रदेश के डूंगरी से एक शादी समारोह में शामिल होकर अपने घर डुगरगांव लौट रहे थे। इस दौरान एनएच 52 पर पचोला पास ट्राले ने मारुति वैन को टक्कर मार दी। अकलेरा थाना प्रभारी संदीप बिश्नोई ने बताया कि अकलेरा के समीप डूंगर गांव के बागरी समाज के लोग शनिवार को अपने रिश्तेदार के शादी समारोह में मध्य प्रदेश गए थे। इसी दौरान बारात में से लाटते समय उनकी वैन तेज रफ्तार ट्रोले की चपेट में आ गई। उन्होंने कहा कि हादसे में 9 लोगों की मौत हुई है। फिलहाल पुलिस ने मृतकों के शव को अकलेरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रखवाया है। थाना प्रभारी ने बताया कि सभी लोग बागरी समाज के हैं। फिलहाल पुलिस हादसे के कारण जानने में लगी है। उन्होंने कहा कि हादसे की सूचना परिजनों को दे दी गई है। परिजनों की शिकायत के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के अनुसार हादसे में अकलेरा के रहने वाले अशोक कुमार (24) पुत्र घनश्याम बागरी, रोहित (16) पुत्र नंदकिशोर बागरी, हेमराज (33) पुत्र बंशीलाल बागरी, सोनू (22) पुत्र मोहनलाल बागरी, दीपक (24) पुत्र जयलाल बागरी, रविशंकर (25) पुत्र प्रेमचंद बागरी, रोहित (22) जगदीश बागरी और हरनावदा शाहजी (बारां) निवासी रामकृष्ण (20) पुत्र प्रेमचंद, सारौला (खानपुर, झालवाड़) निवासी राहुल पुत्र प्रेमचंद की हादसे में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि गाड़ी में बैठे बागरी समाज के 9 युवकों की मौत हुई है। सूचना मिलते ही एएसपी चिरंजीलाल मीणा भी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने ट्रोला चालक को राउंडअप किया कर लिया है। पूछताछ जारी है। उल्लेखनीय है कि राजस्थान में लगातार सड़क हादसे बढ़ रहे है। परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग खानापूर्ति कर रहा है। देर रात झालावाड़ के अकलेरा में भीषण सड़क हादसा हुआ। इस हादसे में 9 लोगों की जान गई। झालावाड़ में अवैध वाहनों का संचालन बहुत अधिक है, लेकिन ऐसे वाहनों पर कार्रवाई नहीं कर रही है। वहीं मुख्यालय के अधिकारी भी सिर्फ. और सिर्फ. राजस्व लक्ष्य जुटाने में व्यस्त है। सड़क सुरक्षा के नाम पर प्रदेश में सिर्फ खानापूर्ति हो रही है।

हादसे में अभिनेता पंकज त्रिपाठी के बहनोई की मौत, बहन गंभीर

नई दिल्ली, एजेंसी। फिल्म अभिनेता पंकज त्रिपाठी के बहनोई राजेश तिवारी उर्फ मुन्ना की एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई है। वहीं उनकी पत्नी सविता तिवारी गंभीर रूप से घायल हैं। उनका इलाज धनबाद के एसएनएमएमसीएच में चला। इसके बाद बेहतर इलाज के लिए उन्हें कोलकाता रेफर कर दिया गया है। यह घटना शनिवार की शाम धनबाद के निरसा चौक के पास जीटी रोड पर हुई। मृतक राजेश 43 वर्ष के थे। हादसे में पंकज त्रिपाठी की बहन सविता तिवारी भी गंभीर रूप से घायल है। मौके पर पहुंची निरसा थाने की पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को इलाज के लिए एंबुलेंस से धनबाद के एसएनएमएमसीएच भेजो जहां राजेश की इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं उनकी पत्नी सविता की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है। गोपालगंज के अभिनेता पंकज त्रिपाठी के बहनोई की मौत की खबर सुनकर कई शुभचिंतक अस्पताल पहुंचे थे। राजेश के भांजे भी बोकारो से धनबाद पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि पंकज त्रिपाठी के बहनोई राजेश तिवारी अपनी पत्नी सविता तिवारी के साथ कर संख्या 44 डी 2899 से बिहार के गोपालगंज से चितरंजन जा रहे थे। वह गोपालगंज में पंकज त्रिपाठी की किसी फिल्म की शूटिंग देखने गए हुए थे। राजेश, चितरंजन रेल इंजन कारखाना में लिपिक पद पर कार्यरत थे। इस दौरान निराशा चौक पर एक ऑटो को बचाने के दौरान उन्होंने कार पर से अपना नियंत्रण खो दिया और उनकी कर 3 फीट ऊंचे डिवाइडर पर चढ़ गई, जिसमें कार चला रहे राजेश और उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। राजेश को सिर पर गंभीर चोट लगी थी।

वित्तमंत्री सीतारमण की मौजूदगी में हुआ धर्मशाला का भूमिपूजन

कांग्रेस ने कहा आचार संहिता की उड़ीं धज्जियां

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण भारत के श्रद्धालुओं के लिए काशी में बनने वाली श्री काशी नटूकोट्टई नगर क्षत्रम धर्मशाला का आज भूमिपूजन धूमधाम से किया गया। यह धर्मशाला डेढ़ साल में बनकर पूरी होगी और 2025 में इसे श्रद्धालुओं के चालू कर दिया जाएगा। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण की मौजूदगी में धर्मशाला की आधारशिला रखी गई। नाटकोट्टम क्षत्रम की ओर से दक्षिण भारत के श्रद्धालुओं के लिए काशी में श्री काशी नटूकोट्टई नगर क्षत्रम धर्मशाला बनाई जाएगी इस धर्मशाला का भूमिपूजन रविवार को केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण की मौजूदगी में धूमधाम से किया गया। इसका निर्माण डेढ़ साल में पूरा हो जाएगा। अक्तूबर 2025 में धर्मशाला को श्रद्धालुओं को समर्पित कर दिया जाएगा। दसमंजिला धर्मशाला में 135 कमरे होंगे। क्षत्रम के अध्यक्ष नारायण ने बताया कि क्षत्रम ने यह जमीन 23 नवंबर 1894 में महज पांच हजार रुपये में खरीदी थी। उन्होंने बताया कि 65 हजार स्क्वायर फीट जमीन को बाबा विश्वनाथ के लिए फूल और विल्व पत्र अर्पित करने के लिए खरीदा गया था। पिछले 50 साल से जमीन, पर अवैध कब्जे को शासन व प्रशासन की मदद से हटा दिया गया है। अब इस पर 135 कमरों वाली 10 मंजिला धर्मशाला श्री काशी नकोट्टई नगर क्षत्रम का निर्माण किया जाएगा। इसके साथ ही यहां छात्रावास, आवास और बैंक्वेट हॉल भी होगा।

कांग्रेस ने जताई आपत्ति

दक्षिण भारतीय श्रद्धालुओं के लिए सिगरा में बनने वाली धर्मशाला के शिलान्यास कार्यक्रम में वित्तमंत्री सीतारमण और मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम पर कांग्रेस ने आपत्ति जताई है। कांग्रेस महानगर अध्यक्ष ने राघवेंद्र चौबे ने कहा कि लोकसभा चुनाव के चलते लगी आचार संहिता की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। चुनाव के दौरान ऐसा कार्यक्रम आयोजित करना अनुचित है। सत्ता के दबाव में प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है।

शराब घोटाला मामले में ईडी ने छग के पूर्व आईएएस अधिकारी को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में छत्तीसगढ़ के पूर्व आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा को गिरफ्तार किया है। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी देते बताया कि ईडी ने 2003 बैच के अधिकारी को शनिवार को रायपुर में आर्थिक अपराध शाखा और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो कार्यालय से हिरासत में ले लिया जहां अधिकारी अनिल टुटेजा और उनके बेटे यश टुटेजा उसी मामले में अपना बयान दर्ज करने गए थे। सूत्रों ने कहा कि अनिल टुटेजा को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्राविधानों के तहत हिरासत में लिया गया है और उनकी रिमांड की मांग करते हुए कोर्ट के सामने पेश किए जाने की संभावना है। अनिल टुटेजा पिछले साल ही अपने पद से रिटायर्ड हुए थे। सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाल ही में आयकर विभाग की शिकायत पर आधारित अपनी पिछली एफआईआर को रद्द करने के बाद ईडी ने कथित शराब घोटाला मामले में एक नया मनी लॉन्ड्रिंग मामला दर्ज किया था। ईडी ने आरोप लगाया था कि छत्तीसगढ़ में बेची गई शराब की हर बोतल से अवैध रूप से धन जमा किया गया है और रायपुर मेयर के बड़े भाई के नेतृत्व में शराब सिंडिकेट द्वारा 2,000 करोड़ रुपए के भ्रष्टाचार और धनशोधन के सबूत मिले हैं। इसी के तहत ईडी ने यह कार्रवाई की है।

ऑनलाइन ठगी का मास्टर माइंड गिरफ्तार, खुलेंगे कई रहस्य

नई दिल्ली, एजेंसी। झारखंड का जामताड़ा ऑनलाइन ठगी के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है। इसके बाद भी कानूनी कसावट में काफी कमी है। यही वजह है कि ऑनलाइन ठगी के मामलों में कमी नहीं हो रही है। हाल ही में पश्चिम बंगाल पुलिस के अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने साइबर धोखाधड़ी में शामिल एक बहु-राज्य गिरोह का भंडाफोड़ किया और मास्टरमाइंड को गुजरात से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद गुजरात में कई छापे मारे गए और मास्टरमाइंड शाह दारहिल परेशभाई को पुलिस ने भावनगर इलाके से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान गुजरात के भावनगर निवासी शाह दाराहिल परेशभाई के रूप में हुई है। वह गिरोह का मास्टरमाइंड है, जो झारखंड सहित कम से कम 3-4 अलग-अलग राज्यों में सक्रिय है। वे कई राज्यों के लोगों को ठग रहे थे। फोन कॉल करना। तलाशी अभियान और गिरफ्तारी एक सेवानिवृत्त सर्विस मैन द्वारा दर्ज की गई शिकायत पर आधारित थी, जिसे नवंबर 2023 में एक अज्ञात कॉलर द्वारा धोखा दिया गया था। शिकायत के मुताबिक, एक अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें फोन किया और खुद को बैंक अधिकारी बताया। अधिकारियों ने कहा, आरोपी द्वारा विश्वास हासिल करने के बाद पीड़ित ने अज्ञात कॉलर के साथ अपना ओटीपी साझा किया। इसके बाद, उसके बैंक खाते से तुरंत लाखों रुपये डेबिट हो गए। जांच में पता चला कि फर्जी कॉल झारखंड के जामताड़ा के एक स्थान से आई थी। पीड़ित के बैंक खाते से क्विकसिल्वर नामक मोबाइल वर्चुअल वॉलेट एप्लिकेशन द्वारा पैसे डेबिट किए गए थे। अधिकारियों ने कहा कि पैसे का इस्तेमाल वर्चुअल वॉलेट एप्लिकेशन के माध्यम से फ्लिपकार्ट और अमेजॅन जैसे कई शॉपिंग ऐप पर उपहार कार्ड खरीदने के लिए किया गया था।

कैफे ब्लास्ट मामले में कई खुलासे-पाकिस्तान कनेक्शन भी आ रहा सामने

नई दिल्ली, एजेंसी। रामेश्वरम कैफे में हुए ब्लास्ट के मामले में अभी पूरी तरह पदार्फास नहीं हुआ है। लेकिन जांच एजेंसियों को नए नए आउटपुट मिल रहे हैं। एजेंसियां अब आरोपियों के ऑनलाइन हैंडलर की पहचान करने की कोशिश कर रही हैं, जिसका कोडनेम कर्नल है। अब्दुल मथीन ताहा को इस अटैक का मेन प्लानर और मुसाविर हुसैन शाजिब को हमलावर बताया जा रहा है। अधिकारियों को संदेह है कि कर्नल इन दोनों से संपर्क में था जो 2019-20 में आईएस अल-हिंद मॉड्यूल से जुड़े थे। माना जाता है कि कर्नल दक्षिण भारत में कई युवाओं के संपर्क में था। उसने क्रिप्टो-वॉलेट के जरिए धन भेजा। साथ ही धार्मिक संरचनाओं, हिंदू नेताओं और प्रमुख स्थानों पर हमले के लिए प्रेरित करने का काम किया।सीनियर अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, नवंबर 2022 में मंगलुरु ऑटोरिक्शा विस्फोट के बाद कर्नल नाम के हैंडलर के बारे में जानकारी मिली। वह मध्य-पूर्व में कहीं से काम करता है। ऐसा हो सकता है कि वह अबू धाबी में हो। जांच एजेंसियां आईएस समूह के छोटे मॉड्यूल बनाकर आतंकी गतिविधियों में पाकिस्तान की जासूसी एजेंसी आईएसआई के साथ कर्नल की मिलीभगत से इनकार नहीं कर रही हैं। मालूम हो कि आईएसआई ने पहले भी भारत में आतंकी मॉड्यूल को आईएस के गुर्गों से बढ़ावा देने का काम किया है, जैसे कि अक्टूबर में राजधानी दिल्ली में तीन आईएसआई-स्पॉन्सर्ड आईएस मॉड्यूल सदस्यों की गिरफ्तारी हुई थी।आतंकवाद-रोधी एजेंसी ने 1 मार्च के विस्फोट का मामला अपने हाथ में लिया था। बम विस्फोट के इस मामले में लगभग 10 लोग बम से घायल हुए थे। दोनों संदिग्धों की पहचान मुसाविर हुसैन शाजिब और अब्दुल मथीन ताहा के रूप में की गई है। शिवमोग्गा जिले के तीर्थहल्ली का रहने वाला मुसाविर हुसैन शाजिब इस हमले का मास्टरमाइंड है और उसी ने इस धमाके को अंजाम दिया था।

मोदी के नेतृत्व में विश्व गुरू बनेगा भारत : शिवराज सिंह चौहान

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भगवान महावीर स्वामी जी की जयंती पर उन्हें नमन किया और देश व प्रदेशवासियों के सुख-समृध्दि और शांति, खुशहाली की कामना की। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री ने रविवार को विदिशा लोकसभा की सांची, भोजपुर और बुधनी विधानसभा में जनसभाओं को संबोधित किया और अहमदपुर में चुनाव कार्यालय का उद्घाटन कर महा-जनसंपर्क अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान शिवराज ने घर-घर जाकर जनसंपर्क किया और बाजार, दुकानों में भी लोगों से मुलाकात कर भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में मतदान करने की अपील की। शिवराज जहां-जहां भी गए पूरा क्षेत्र शिवराजमय नजर आया। हर कोई शिवराज का फूलों की वर्षा कर भव्य स्वागत कर रहा था तो युवाओं के हाथों में पार्टी के झंडे लहरा रहे थे। भांजे-भांजियां मामा-मामा पुकार रहे थे। तो बहनों ने अपने भैया को गले लगाया। वहीं बड़े बुजुर्गों ने शिवराज सिंह के सिर पर हाथ रख उन्हें जीत का आशीर्वाद दिया। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राहुल गांधी और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि, कांग्रेस की सबसे बड़ी नेता मैडम सोनिया गांधी ने रायबरेली से चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया और राज्यसभा में बैकडोर से एंट्री ले ली है। क्योंकि उन्हें पता है कि, चुनाव लड़ेंगे तो हार जाएंगे। वहीं कांग्रेस के दूसरे बड़े नेता राहुल गांधी अमेठी छोड़कर वायनाड चले गए हैं। जो नेता खुद जीतने में सक्षम ना हो वो कांग्रेस को क्या जिताएंगे। कांग्रेस अपने गलत फैसलों की वजह से गर्त में जा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि, राहुल गांधी कहते हैं कि, भाजपा के घोषणा पत्र में गरीबों का जिक्र नहीं किया। राहुल बाबा तुम्हें हिंदी नहीं आती तो

हम क्या करें, अंग्रेजी भी नहीं आती तो इटली की भाषा में हम नहीं लिख सकते। घोषणा पत्र में अगले पांच सालों तक गरीबों को मुफ्त राशन, घर-घर पानी, मुफ्त इलाज का जिक्र है। ये सब गरीबों के लिए ही है। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, मैंने बचपन में बेटा-बेटी में भेदभाव होते देखा था, तब से बहनों की तकलीफें दूर करने का प्रयास करता था। बेटी को बोझ समझा जाता था, इसलिए मुख्यमंत्री बनते ही सबसे पहले लाड़ली लक्ष्मी योजना शुरू की ताकी बेटी बोझ नहीं वरदान बनें। वहीं गरीब बहनें बच्चे को जन्म देने के आंठ दिन बाद ही जमदूरी करने निकल पड़ती थी, तो बहनों को 12 हजार रूपए की राशि देने की योजना बनाई। फिर लाड़ली बहना योजना बनाई। इस योजना से बहनों के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव आए। अब प्रधानमंत्री जी ने भी कहा है और भाजपा के घोषणा पत्र में शामिल किया गया है कि, हर बहन को लखपति दीदी बनाना है। लखपति दीदी का मतलब घर का कामकाज करते हुए हर बहन की सालाना आय एक लाख रूपए से अधिक हो। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि, मैं नेता नहीं आपके परिवार का सदस्य हूं। हम सब एक ही परिवार है और हम सबको मिलकर विदिशा-रायसेन संसदीय क्षेत्र को एक आदर्श लोकसभा बनाना है। उन्होंने कहा कि, आपको कांग्रेस का जमाना तो याद ही होगा, जब सड़कें नहीं हुआ करती थी, ना बिजली, ना पानी, घनघोर अंधेरा था। कांग्रेस ने प्रदेश में कभी भी कोई विकास नहीं किया। मध्यप्रदेश में विकास के काम केवल भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने किए है। कांग्रेस की सरकार में किसानों को 18 प्रतिशत ब्याज पर कर्ज दिया जाता था, जबकि भाजपा की सरकार ने इसे 0 प्रतिशत किया। किसान सम्मान निधि के तहत प्रदेश के किसानों के खाते में 12 हजार रूपए आ रहे हैं। बच्चों की बेहतर पढ़ाई के लिए सीएम राइज स्कूल खोले गए हैं, जहां प्राइवेट स्कूलों से अच्छी सुविधाएं हैं। गरीब के बेटा-बेटी आज डॉक्टर, इंजीनियर बन रहें हैं, उनकी फीस भरने का काम राज्य सरकार कर रही है। कोई भी बिना घर और बिना इलाज के नहीं रहेगा। पीने का पानी घर-घर आएगा। आदर्श संसदीय क्षेत्र बनाने का पूरा विजन और रोडमैप है। हम केवल वोट के लिए नहीं है, जनता का भाग्य बनाने के लिए है। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान लगातार अपने लोकसभा क्षेत्र में जोरो-शोरो से चुनाव प्रचार कर रहे हैं। रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री ने विदिशा लोकसभा क्षेत्र के अहमदपुर, सांचेत, मंडीदीप, तारानगर, साढ़े बाहर गांव और बुधनी में महाजनसंपर्क अभियान का शुभारंभ किया और चुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया। पूर्व मुख्यमंत्री ने घर-घर जाकर जनसंपर्क किया और लोगों से भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की।

15 महीने में 65 पैदल यात्रियों की चली गई जान

राजधानी भोपाल में पैदल चलना भी खतरे से खाली नहीं, सडक की खराब इंजीनियरिंग और तेज रफ्तार बनी जानलेवा

भोपाल । राजधानी भोपाल की सडकें जानलेवा साबित हो रही हैं। राजधानी की सडकों पर खराब इन्फ्रास्ट्रक्कर और अतिक्रमण का खामियाजा 65 लोगों को अपनी जान गंवाकर भुगतना पड़ा है। भोपाल में फुटपाथ वाली सडकें कम हैं। जहां फुटपाथ हैं वहां अतिक्रमण है। भोपाल ट्रैफिक पुलिस के ताजा विश्लेषण में सामने आया है कि राजधानी में बीते 15 महीनों में 221 लोग सडक हादसों में जान गंवा चुके हैं। ज्यादातर हादसे ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने, ओवरस्पीडिंग और सडकों के खराब इंजीनियरिंग के कारण हुए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 106 मौत दो पहिया वाहन चालकों की हुई हैं। 2022 में मौत का ये आंकड़ा 90 था। यह स्थिति तब है जब सुप्रीम कोर्ट ने सडक हादसों में कमी लाने और उनमें होने वाली मौतों को 50 फीसदी तक कम करने के निर्देश वर्ष 2015 में सभी राज्यों को दिए थे। भोपाल पुलिस कमिश्नरेट की ट्रैफिक पुलिस ने 2023 के आंकड़ों के साथ वर्ष 2024 के तीन महीनों को भी जोड़ा है। 2024 का ये तिमाही डेटा पुलिस ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (पीटीआरआई) को भी भेजा जा रहा है। प्रदेश के सभी जिलों से आए ऐसे ही आंकड़ों के आधार पर पीटीआरआई पूरे साल का डाटा तैयार करता है। फिर शहरों के इन्फ्रास्ट्रक्कर और अन्य तकनीकी माध्यमों को सुधारने की कवायद की जाती है। मकसद ये है कि सडक हादसों और उनमें होने वाली मौतों में कमी लाई जा सके।

दो पहिया वालों के 1700 हादसे

15 महीनों में दो पहिया वाहन चलाने वालों के साथ 1700 सडक हादसे हुए हैं। इसमें 1516 लोगों को मामूली चोटें आईं और 80 लोग गंभीर जख्मी हुए। 106 लोगों की जान गई जिनमें दो साइकिल सवार भी थे। पलिस का कहना है कि हर सडक हादसे का अलग कारण होता है। इसकी मॉनिटरिंग थाना स्तर पर की भी जाती है। भोपाल में तेज रफ्तार में वाहन चलाना, ट्रैफिक नियमों का पालन न करना हादसों की वजह बनती है। एक बड़ी वजह शराब पीकर वाहन चलाना भी है, जिसमें ज्यादातर दो पहिया वाहन चालकों को नुकसान होता है।

बिट काइन में इंवेस्ट का झांसा देकर दो भाईयों ने की ठगी

भोपाल। बिट काइन में निवेश कराने का झांसा देकर दो भाईयो द्वारा परिचित से ठगी किये जाने का मामला सामने आया है। फरियादी ने इसकी शिकायतक्राइम ब्रांच थाना पुलिस से की है। आरोपियों ने दुबई की कंपनी बताकर फजीर्वाड़ा किया था। फिलहाल पुलिस आगे की जॉच कर रही है। सूत्रों के अनुसार कटारा हिल्स में रहने वाले राजेंद्र विराज सिंह वर्मा पिता स्वर्गीय गोकुल प्रसाद (40) ने लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए बताया की वे पूर्व में आरोपी अतुल जैन जो मूलतः मंडला उनके साथ उसके बिजनेस में पार्टनर रहा है। उसके भाई सुमित जैन और त्रिलोक पाटीदार है। अतुल जैन ने उसे बताया कि उसका एक भाई दुबई चला गया है। वहां पर गोल्ड डेजर्ट काइन नाम से फर्म चला रहा है। अतुल ने उससे आगे कहा कि उसके पास बालाघाट, मडला, सिवनी और जबलपुर मैनेजमेंट का काम है। यदि वह रकम इंवेस्ट करता है तो उसे एक डीजीसी काइन लेने पर 10 डॉलर मिलेंगे। उसके कहने पर राजेंद्र विराज सिंह वर्मा ने दो किस्त में एक लाख 15 हजार रुपए लगा दिए। पहली किस्त अगस्त, 2023 में 45 हजार रुपए की दी थी। जबकि दूसरी किस्त त्रिलोक पाटीदार के कहने पर जमा कराई थी। वह कंपनी के प्रमोशन के लिए नवंबर, 2023 में भोपाल आया था। लेकिन रकम जमा करने के बाद उसे कोई पैसा नहीं दिया गया। साथ ही अपनी रकम वापस मांगने पर आरोपी टाल मटोल करने लगे।

615 करोड़ में आचमन लायक बनेगा कान्ह का पानी

आचार संहिता के बाद इस पर काम शुरू होने की उम्मीद

भोपाल । महाकाल की नगरी में आयोजित होने वाले आगामी सिंहस्थ की तैयारियां शुरू हो गई हैं। आगामी सिंहस्थ में शिप्रा में गंदा पानी प्रवाहित नहीं हो, इसके लिए सरकार ने काम शुरू कर दिया है। सिंहस्थ में आने वाले में संत और श्रद्धालु शिप्रा में आचमन कर सकें, इसके लिए कान्ह नदी शुद्धिकरण के लिए नए सिरे से 615 करोड़ की योजना तैयार की गई है। कान्ह के लिए नमामि गंगे में कुल 511 करोड़ मिलेंगे और अमृत-2 में भी फंड मिलने की उम्मीद है। आचार संहिता के बाद इस पर काम शुरू होने की उम्मीद है। शिप्रा शुद्धिकरण के लिए सरकार ने राज्य स्तर पर उच्च स्तरीय कमेटी बनाई है। इस कमेटी के सदस्य विगत दिवस इंदौर में थे। चूंकि इंदौर की कान्ह और सरस्वती नदी का पानी उसमें मिलता है, इसलिए निगमायुक्त शिवम वर्मा ने नमामि गंगे फेज- 1 और अमृत प्रोजेक्ट फेज-2 के तहत शहर में सीवर नेटवर्क और सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाने को लेकर स्मार्ट सिटी ऑफिस में समीक्षा बैठक ली। निगमायुक्त ने कहा कि वर्ष 2040 में शहर की जनसंख्या को देखते हुए शहर के सीधर नेटवर्क की प्लानिंग की जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि उद्योगों का वेस्ट नदी के पानी में सीधे छोडने.की शिकायतें मिली हैं, जिन पर टीम बनाकर कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि कान्ह और सरस्वती नदी के शुद्धिकरण पर 15 वर्षों में 1152 करोड़ खर्च हो चुके हैं। देश की पहली वाटर प्लस सिटी का तमगा हासिल करने के लिए दो वर्ष पहले 200 करोड़ खर्च कर नाला टैपिंग की गई थी। हालांकि वह काम नहीं आई। वर्ष 2028 में सिंहस्थ है इसलिए नदी को साफ करने की कोशिश फिर शुरू हो गई हैं। इस पर निगम 615 करोड़ खर्च करने की तैयारी कर रहा है। अमृत योजना के पहले चरण में भी दो एसटीपी बनाए गए थे। कुल 10 एसटीपी से 412 एमएलडी पानी साफ कर रहे हैं। नमामि गंगे प्रोजेक्ट में भी इंदौर को 511 करोड़ मिले हैं। इससे 240 करोड़ खर्च कर 195 एमएलडी के तीन एसटीपी बनाएंगे, जाएंगे। अमृत योजना के दूसरे फेज में भी दो एसटीपी बनाने की योजना है। निगम को आउट फॉल्स रोकने के लिए 11 एसटीपी चाहिए।

कितना सीवर निकल रहा, पता ही नहीं...

बड़ी बात यह है कि अधिकारी अब तक यह भी पता नहीं लगा पा रहे थे कि शहर से रोज कितना सीवर निकल रहा है? उनसे सवाल किया तो उनका कहना है कि अब तक प्लानिंग मैच नहीं कर पा रहे थे। पानी की आपूर्ति के हिसाब से सीवर की मात्रा का अनुमान लगाया है। अभी 412 एमएलडी सीवर ट्रीटमेंट करने की क्षमता है। इसमें से 90 एमएलडी के दो एसटीपी का सिस्टम पुराना हो गया है। आजाद नगर के एसटीपी में 15 एमएलडी कम सीवर आता है। लाइनों में सीवर की मात्रा बढने.लगी जो एसटीपी की क्षमता से ज्यादा है। 245 एमएलडी का एसटीपी 100 फीसदी काम कर रहा है। 77 एमएलडी के एसटीपी में 60 एमएलडी सीवर ही आ रहा है।

औद्योगिक क्षेत्रों में दो नए ईटीपी बनाने की कवायद

इंदौर में भी प्रशासन व नगर निगम ने कान्ह नदी के माध्यम से शिप्रा में मिलने वाले पानी को शुद्ध करने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। नगर निगम कान्ह में शहर के सीवरेज के आउट फॉल बंद करने के साथ औद्योगिक क्षेत्र का पानी भी साफ करके नदी में छोडने.की तैयारी कर रहा है। इसके लिए औद्योगिक क्षेत्रों में दो इफ्यूलेंट ट्रीटमेंट प्लांट (ईटीपी) बनाने के प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर दिया है। कान्ह और शिप्रा शुद्धिकरण के लिए मुख्यमंत्री की प्राथमिकता के बाद अब स्थानीय अमला भी सक्रिय हो गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशासन और नगरीय क्षेत्र में निगम योजना पर अमल कर रहा है। अपर आयुक्त सिद्धार्थ जैन ने इस संबंध में पालदा और कुमेड़ी में दो स्थान पर ईटीपी प्लांट के लिए उद्योगपतियों के साथ विस्तार से चर्चा की है। सबसे पहले इनकी क्षमता तय करने के लिए उद्योगों से निकलने वाले गंदे पानी का आकलन किया जा रहा है। नगर निगम दोनों स्थानों के औद्योगिक क्षेत्र में स्थानीय एसोसिएशन के सहयोग से सर्वे करेगा। सांवेर रोड, पालदा क्षेत्र में कई ऐसे उद्योग हैं, जिनसे दूषित पानी कान्ह को प्रभावित कर रहा है। पिछले दिनों निगम ने ईटीपी बनाकर पानी साफ करने की कवायद की थी।

सामान्य प्रेक्षक ने निर्वाचन प्रक्रिया संबंधी नोडल अधिकारियों की बैठक लेकर दिए दिशा - निर्देश

भोपाल। लोकसभा निर्वाचन - 2024 के तहत भोपाल लोकसभा क्षेत्र क्रमांक-19 के सामान्य प्रेक्षक श्रीमती रूबल अग्रवाल सहित कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कौशलेन्द्र विक्रम सिंह एवं पुलिस आयुक्त भोपाल हरिनारायण चारी मिश्रा द्वारा जिला निर्वाचन से संबंधित नोडल अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा - निर्देश दिये।उन्होंने समीक्षा करते हुए कहा कि आदर्श आचार संहिता का पालन करते हुए स्वतंत्र, निष्पक्ष तथा शांति पूर्ण ढंग से मतदान संपन्न कराएं। बैठक में सीईओ जिला पंचायत ऋतुराज सिंह सहित सभी एडीएम, एसडीएम एवं समस्त नोडल अधिकारी उपस्थित रहे। सामान्य प्रेक्षक श्रीमती रूबल अग्रवाल ने कहा कि वे निर्वाचन से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या, शिकायत, सुझाव और सहयोग के लिए उपलब्ध है। सामान्य प्रेक्षक ने लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र मतदान केन्द्रों की जानकारी लेते हुए संवेदनशील सामान्य मतदान केन्द्रों में मतदान दलों को पहुंचाने के लिए व्यवस्था की जानकारी लेकर आवश्यक दिशा - निर्देश दिये। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने जिले में लोकसभा निर्वाचन की तैयारियों से प्रेक्षक को अवगत कराया। सामान्य प्रेक्षक ने निर्वाचन संबंधी नोडल अधिकारी जिसमें विडियो निगरानी, विडियो अवलोकन, व्यय अनुवीक्षण, नियंत्रण कक्ष, मतदान सामाग्री वितरण, नोडल अधिकारी ईव्हीएम, एमसीसी, डाकमत पत्र और एमसीएमसी, वेबकास्टिंग, सीवीजील, माईक्रो आर्ब्जवर इत्यादि से जानकारी लेते हुए लोकसभा निर्वाचन को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण रूप से संपन्न कराने के निर्देश दिये।

पेड न्यूज साबित होने पर प्रत्याशी के निर्वाचन व्यय में जुड़ेगा खर्च

भोपाल। निर्वाचन के दौरान जिले में केबल चैनलों, समाचार पत्रों से प्रसारित कार्यक्रमों पर नजर रखी जा रही है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर पेड न्यूज पर नजर रखने के लिये जिला स्तर पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में मीडिया अनुवीक्षण एवं प्रमाणन समिति (एमसीएमसी) गठित की गई है। निर्वाचन आयोग ने पेड न्यूज पर बारीकी से ध्यान देने के निर्देश दिए हैं। एमसीएमसी ही पेड न्यूज के संबंध में निर्णय लेगी। एमसीएमसी द्वारा ही मीडिया सेंटर (मीडिया अनुवीक्षण प्रकोष्ठ) के जरिए 24 घण्टे इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और प्रिंट मीडिया द्वारा प्रसारित होने वाली खबरों की गहन छानबीन की जा रही है। पेड न्यूज साबित होने पर संबंधित प्रत्याशी के निर्वाचन व्यय में पेड न्यूज प्रकाशन पर हुआ खर्च जोड़ा जायेगा। निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर चुनाव प्रचार संबंधी कार्यक्रम व क्लिपिंग इत्यादि प्रसारित करने के लिये पूर्व अनुमति लेनी होगी। इसके लिए प्रमाणित ट्रांसक्रिप्ट दो प्रति में रजिस्ट्रीकृत राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनैतिक पार्टी एवं चुनाव लडने वाले प्रत्येक अभ्यर्थी को टेलीकास्ट करने से तीन दिन पूर्व तथा गैर रजिस्ट्रीकृत राष्ट्रीय और राजनैतिक दल एवं अन्य को सात दिन पूर्व एमसीएमसी प्रकोष्ठ को देनी होगी । मूल स्क्रिप्ट सहित सम्पूर्ण चुनाव प्रचार सामग्री की बारीकी से जाँच करने के बाद ही इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से चुनावी प्रचार संबंधी कार्यक्रम व विज्ञापन पट्टियाँ प्रसारित करने की अनुमति दी जायेगी।

थाना कोलार रोड पुलिस ने जप्त की 60 लीटर अवैध कच्ची शराब

आरोपी पूर्व मे भी अवैध शराब के प्रकरण मे पकडाया था

भोपाल। आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के परिपेक्ष्य मे अवैध शराब बेचने व परिवहन करने वाले के विरूद कार्यवाही हेतु वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा निर्देशित किया गया है। उक्त तारतम्य में सुंदर सिंह कनेश पुलिस उपायुक्त जोन 04 भोपाल, मलकीत सिंह अति. पुलिस उपायुक्त जोन 04 भोपाल एवं श्रीमती अंजली रघुवंशी सहा. पुलिस आयुक्त चूनाभट्टी संभाग के कुशल नेतृत्व मे अवैध शराब एवं अन्य अवैध गतिविधियो को रोकने हेतु लगातार थाना कोलार रोड पुलिस द्वारा अपना सूचना तंत्र मजबूत कर कायार्वाही की जा रही है । दिनांक 19/04/2024 को जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम इनायतपुर की पुलिया के पास एक व्यक्ति जो सफेद कलर की शर्ट पहने है सांवला सा है जो इनायतपुर की पुलिया के पास कोलार रोड भोपाल में चार प्लास्टिक के 15-15 लीटर वाले कुप्पे मे कच्ची महुआ हाथ भट्टी की शराब लेकर किसी को बेचने को खडा है। सूचना की तस्दीक एवं कार्यवाही हेतु पुलिस टीम रवाना हुई जो ग्राम इनायतपुर की पुलिया के पास पहुंचे जहां एक लडका बताई हुलिया का 04 प्लास्टिक की कुप्पी रखे खडा दिखा जो पास जाने पर पुलिस को देखकर भागा जिसे हमराह स्टाफ एवं गवाहान की मदद से घेराबंदी कर पकडा नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम नीतेश अहिरवार पिता कमलेश अहिरवार उम्र 30 साल निवासी- म.न. 124 पार्वती नगर कोलार रोड भोपाल एवं स्थाई पता म.न. 12 वार्ड क्रं 22 लुहांगी मोहल्ला

थाना कोतवाली विदिशा का होना बताया जिसके कब्जे मे रखे चार प्लास्टिक के 15-15 लीटर के कुप्पे मे भरी हुई तरल पदार्थ के बारे मे पूछने पर सफेद देशी महुआ हाथ भट्टी की शराब होना बताया जो आरोपी नीतेश अहिरवार के कब्जे मे मिली 15-15 लीटर के कुप्पे का ढक्कन खोलकर गवाहो एवं स्वंय द्वारा सूघंकर चखकर देखने पर प्रत्येक कुप्पे मे 15-15 लीटर कच्ची महुआ हाथ भट्टी की बनी शराब होना पहचान होने पर पहचान पंचनामा तैयार किया आरोपी नीतेश अहिरवार के कब्जे से मिली शराब के संबंध में अनुज्ञापत्र मांगने पर नही होना बताया जो आरोपी के कब्जे से चार कुप्पे में भरी 15-15 लीटर कुल 60 लीटर हाथ भट्टी की महुये की कच्ची शराब कीमती करीबन 6500/- रुपए की अवैध रूप से नीतेश अहिरवार के कब्जे मे मिलने पर समक्ष गवाहन आरोपी नीतेश अहिरवार के कब्जे से विधिवत जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया । आरोपी नीतेश अहिरवार का कृत्य धारा 34(2) आबकारी एक्ट मे गिरफ्तार किया आरोपी का कृत्य अपराध धारा 34(2) आबकारी एक्ट का पाये जाने से असल अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया । आरोपी से शराब के संबंध मे पूछे जाने पर बताया कि एक दिन पहले ग्राम झिरी में बेतवा नदी के किनारे टीन के पीपे व पाईप से कच्ची शराब उतारकर आज बेचने के लिये आया था उपकरण बर्तन आदि वहीं पर छिपा कर रखे आरोपी के बताये अनुसार झिरी में बेतवा नदी के किनारे शराब बनाने के उपकरण तलाश करने पर नही मिले तलाशी पंचनामा तैयार किया । प्रकरण मे विवेचना जारी है । आरोपी नीतेश अहिरवार पूर्व मे वर्ष 2023 मे अवैध शराब के प्रकरण मे पकडया था । जप्त शराब- चार कुप्पे में भरी 15-15 लीटर कुल 60 लीटर हाथ भट्टी की महुये की कच्ची शराब कीमती करीबन 6500/- रुपए गिरफ्तार आरोपी - नीतेश अहिरवार पिता कमलेश अहिरवार उम्र 30 साल निवासी- म.न. 124 पार्वती नगर कोलार रोड भोपाल एवं स्थाई पता म.न. 12 वार्ड क्रं 22 लुहांगी मोहल्ला थाना कोतवाली विदिशा सराहनीय भूमिका- थाना प्रभारी निरीक्षक आशुतोष उपाध्याय, उनि जोगेन्द्र नेगी व प्रआर पवन पाठक ,प्रआर नवीन त्रिपाठी, प्रआर गोरेलाल एवं आर जोगेन्द्र गुर्जर की महत्वपूर्ण सराहनीय भूमिका रही है।

प्रधानमंत्री के दौरे के चलते टली आईएफएस की डीपीसी

39 अफसरों में से 13 पदों के लिए सोमवार को होना थी बैठक

भोपाल। राज्य वन सेवा से भारतीय वन सेवा के अफसरों की 22 अप्रेल को दिल्ली में होने वाली डीपीसी (विभागीय पदोन्नति समिति) बैठक टल गई है। अब इस बैठक के लिए अलग से तारीख तय की जाएगी। 24 व 25 अप्रेल को पीएम नरेंद्र मोदी के एमपी दौरे के चलते सीएस वीरा राणा इस बैठक में शामिल नहीं हो सकेंगी। इसके चलते यह बैठक अब बाद में होगी। इसके चलते आईएफएस बनने के लिए राज्य वन सेवा के अफसरों का इंतजार बढ़ गया है। इस बैठक में 13 पदों पर डीपीसी के लिए होना थी जिसमें 39 नामों पर विचार किया जाना था। अपर मुख्य सचिव वन जेएन कंसोटिया ने भी 22 अप्रेल को डीपीसी बैठक टलने की पुष्टि की है। कंसोटिया के अनुसार डीपीसी में

शामिल मेंबर्स की मौजूदगी को लेकर बनी स्थिति के चलते बैठक टली है और जल्द ही नई तारीख तय कराने का काम किया जाएगा। राज्य वन सेवा के जिन अधिकारियों के नामों आगामी डीपीसी बैठक में विचार हो सकता है उनमें 2009 बैच के एसएफएस राम कुमार अ?वधिया का भी नाम शामिल बताया जा रहा है। अवधिया वित्तीय अनियमितता संबंधी जांच में फंसे होने के कारण पिछली डीपीसी में फिटलिस्ट में नहीं आ पाए थे। राज्यपाल के समक्ष अपील करने के बाद उन्हें क्लीनचिट मिली है। इसी प्रकार 2010 बैच के स्टेट फारेस्ट सर्विस की अफसर हेमलता शाह भी विभागीय जांच के चलते पिछली बार इंडियन फारेस्ट सर्विस में सिलेक्ट होने से वंचित रही थीं। उन्हें इस बार मौका मिल सकता है। बताया जाता है कि दिल्ली में होने वाली डीपीसी की आगामी बैठक में इनके बाद 2011 बैच के आशीष बंसोड़, विद्याभूषण सिंह, गौरव कुमार मिश्रा, तरुणा वर्मा, हेमंत यादव, सुरेश कोड़ापे, प्रीति अहिरवार, लोकेश निरापुरे, राजाराम परमार, करण सिंह रंधा और माधव सिंह मौर्य को आईएफएस अवार्ड हो सकता है। इनके अलावा 2011 बैच की कल्पना तिवारी और राजवेंद्र मिश्रा गड़बड़ी के चलते पदोन्नति से वंचित रह सकते हैं।

अहिंसा का संदेश देते निकली भगवान महावीर की शोभायात्रा

रजत पालकी में सवार होकर निकले श्री जी जगह जगह भव्य स्वागत

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

श्रवण संस्कृति के उन्नायक अहिंसा धर्म के प्रणेता जियो और जीने दो के उद्वघोषक श्री 1008 भगवान महावीर की जयंती कल यहां पूरे श्रद्धा और आस्था के साथ मनाई गई। अहिंसा के अग्रदूत भगवान महावीर स्वामी की इस अवसर पर एक भव्य शोभायात्रा नयानाभिराम झांकियों के साथ निकाली गई रजत पालकी में सवार श्रीजी के झांकी श्रद्धा और आस्था का केन्द्र रही। दोपहर में शोभायात्रा का समापन बड़े फुहारे पर हुआ जहां श्रीजी का महामस्तिकाभिषेक किया गया। इस बार गणाचार्य विराट सागर महाराज के परम शिष्य उपाध्याय श्री विरजंन सागर, मुनिश्री सौम्य सागर, मुनि श्री सुमति सागर ससंघ उपस्थित रहे। सानिध्य उपाध्याय श्री 108 विरंजन सागर जी महाराज ससंघ 6 पिंछी उपाध्याय श्री 108 विश्रांत सागर जी महाराज ससंघ 4 पिंछी उपाध्याय श्री 108 विश्रुत सागर जी महाराज ससंघ 2 पिंछी यमल मुनिराज मुनि श्री 108 आस्तिक्य सागर जी महाराज मुनि श्री 108 प्रणीत सागर जी महाराज ससंघ क्षुल्लक श्री 105 तत्व सागर जी महाराज के ससंघ सानिध्य में शोभा यात्रा निकाली गई। जिसमें नगर के सभी जैन मंदिरों की ओर से झांकियां शामिल की गईं। महावीर जयंती पर श्री दिगंबर जैन पंचायत सभा और जैन नवयुवक सभा व अन्य समाजिक संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में हनुमान बड़े जैन मंदिर से भगवान महावीर स्वामी की एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जो मिलौनीगंज, कोतवाली, कमानिया, अंधेरदेव, तुलाराम चौक, सिविक सेंटर गंजीपुरा, घमण्डी चौक होते हुए बड़े फुहारे पर समाप्त हुई। यहां विशाल जन समुदाय के बीच श्रीजी का महा मष्तिकाभिषेक और महाशांतिधारा का अनुष्ठान किया गया। शोभायात्रा पर अश्वों पर केसरिया ध्वज लेकर चल रहे युवा चाचर नृत्य, डांडिया, बीजाडांडी का आदिवासी, नृत्य जनाकर्षण का केन्द्र रहा। शोभायात्रा मार्ग पर रजत पालकी पर विराजमान श्रीजी का श्रद्धालुओं द्वारा जगह-जगह पूजन अर्चन एवं आरती की गई। आदिनाथ जैन नवयुवक समिति, राष्ट्रीय दिगम्बर जैन युवा, महासभा, जैन अल्पसंख्यक संगठन, श्रमण संस्कृति सेवा संघ, आदिनाथ पूजन मंडल, वीर मण्डल सेवा दल, जैन जागृति संघ, साधु सेवा समिति, सन्मति संघ, जैन युवा छात्र संगठन, नमोस्तु शासन संघ, अतिशय युवा मंच जैन सोशल ग्रुप द्वारा शोभायात्रा का स्वागत कर मिष्ठान व फल वितरित किये गये।

शोभायात्रा में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, पूर्व विधायक विनय सक्सेना, अखिलेश जैन (सीए), पूर्व राज्य मंत्री शरद जैन, कांग्रेस लोकसभा प्रत्याशी दिनेश यादव, भाजपा लोकसभा प्रत्याशी आशीष दुबे, सत्येन्द्र जैन, जुग्गू, पूर्व पार्षद मुकेश राठौर, पूर्व पार्षद अमित जैन, पूर्व पार्षद चक्रेश नायक, मनीष जैन कल्लू, राकेश चौधरी, सुनील मंगलाहाट, नरेंद्र जैन लायन , राकेश दाऊ, अखिलेश जैन, मंजेश जैन, पार्षद अतुल जैन दानी, पार्षद आयोध्या तिवारी, सुजीत भाऊ, पूर्व पार्षद अमित जैन, राजकुमार जैन, विजय जैन चुन्ना, मनोज सेठ, अशोक जैन फुग्गा, मुकेश फड़वीस, रवि जैन, मनोज कुमार, मनीष जैन, पंकज मूदी, राजकुमार जैन कक्का आदि बड़ी संख्या में जैन धर्मावलंबी और समाज के सभी वर्गो के गणमान्य नागरिक शामिल थे। जैन सोशल मेन ग्रुप नगर शाखा अध्यक्ष विकास शिखा जैन सचिव नितिन राशि जैन आदि सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों व सदस्यों द्वारा मालवीय चौक स्थित अपने ग्रुप के स्वागत मंच से शोभायात्रा का स्वागत किया। महावीर जयंती पर पांच दिवसीय कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतिम सोपान में 22 अप्रैल सोमवार की रात 9 बजे से कमानिया गेट पर अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें देश के नामवार कवि काव्यपाठ करेंगे।

श्रीरामलला मंदिर में होंगे विविध आयोजन

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

प्रभू श्रीराम भक्त हनुमान जी के जन्मोत्सव पर कल गौरीघाट रोड स्थित रामलला मंदिर में गर्भगृह से बाहर निकलकर बाल हनुमान श्रीरामलला अपने सभी भक्तों को आशीर्वाद देगें। इस संबंध में रजत गणेश धाम एवं श्रीरामलला मंदिर के मुख्य पुजारी में से एक आचार्य पं. प्रमोद तिवारी ने बताया कि जन्मोत्सव के दिन श्रीरामलला बाल रूप में सभी को दर्शन देगें एवं इस दौरान मंदिर परिसर में विविध आयोजन के साथ-साथ सभी भक्त अपनी-अपनी कामनाएँ पूर्ण होने के लिए मन्नतों की अर्जियॉं लगायेगें। पं. श्री तिवारी ने बताया कि 23 अप्रैल 2024 को श्रीरामलला मंदिर परिसर में पूजन भंडारे के साथ हवन होगा। इसमें सवा लाख नारियलों की आहुतियां डाली जाएंगी। इसके साथ ही हजारों भक्तों ने हनुमान जी के दरबार में अर्जी लगाई जायेगी। मंगलवार को रामलला में विराजमान पवनसुत हनुमान के जन्मोत्सव धूमधाम से हर्ष उल्लास से मनाया जायेगा। जन्मोत्सव का शुभारम्भ सुबह 7:30 बजे से बाल हनुमान को गर्वगृह से निकाल कर दर्शनार्थियों के साथ विधिवत स्थापित किया जाएगा। इसके बाद मंत्रोचार के साथ पूजन सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ होगा। सुबह 9:30 बजे से हवन होगा, जिसमें लगभग सवा लाख नारियल से आहुतियाँ डाली जाएंगी।

धूमधाम से निकला बड़ी खेरमाई का जवारा विसर्जन समारोह

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

52 में गुप्त शक्तिपीठ मां बड़ी खेरमाई मंदिर का 372 में वर्ष का चैत्र नवरात्रि जवारा विसर्जन समारोह रविवार को भव्य एवं धूमधाम से बैंड बाजों ढोल नगाड़ों एवं मनमोहक झांकियां के साथ निकाला गया। जवारा विसर्जन समारोह में 500 से अधिक बाना धारी भक्त निकलें इसके साथ ही 1100 से अधिक महिलाएं जावरा कलश धारण करके निकली । जवारा विसर्जन समारोह सायं 8:00 बजे से बड़ी खेरमाई माता मंदिर से प्रारंभ होकर दीनानाथ क्रॉसिंग, राजा रसगुल्ला की गली, तमरहाई चौक, मिलोनी गंज चौक होते हुए हनुमान ताल थाने के सामने विसर्जन के साथ समाप्त हुआ। बड़ी खेरमाई ट्रस्ट के शरद अग्रवाल, शशिकांत मिश्रा, आशीष त्रिवेदी, अनिल पाल, जयकांत उपाध्याय, महेंद्र जांगड़े, असीम त्रिवेदी, सुरेश आहूजा आदि ने उपस्थित रहे।

समाज निर्माण में मील का पत्थर बनेगा आनंदालय जस्टिस धर्माधिकारी

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

छोटे बच्चों में सस्कारों के बीज का रोपण करते बाला वह अनंत आनंदालय सुंदर समाज के निर्माण में निश्चित ही मौल का पत्थर साबित होगा यह ऐसा टकसाल है जहा सिक्के नहीं मानव गढ़े जा रहे है, आज के भांतिक युग से जहां सभी व्यक्तिगत विताओं में व्यस्त है वहीं डॉ पांसे जी द?द्वारा यह एक ऐसा अभिनव प्रयोग किया गया जिसकी में सराहना करता हूँ उक्त विचार जस्टिस धर्माधिकारी जी ने अनंत आनंदालय के वार्षिक महानयन कार्यक्रम में रखे। निरस्त एक वर्ष से चल रहे इस सेवा भावी आयोजन में बच्चों को देश धर्म समाज संस्कृति में जोडने वाली निशुल्क शिक्षा दी जा रही है। इन अवसर पर बध की विभिन्न प्रस्तुतियां हुई जिसमे बच्चोंजारतीय संस्कृति लोक पाठ, शिवताइन स्त्रोत एवं अच्छी आदतों के बारे में बताया। मुख्यातिथि के रूप में पधारे मध्यप्रदेश शासन के मंत्री राकेश सिंह ने नई पीढ़ी निर्माण के इस कार्य की भूरी भूरी प्रसंसा की। शहर के महापौर जगतबहादुर सिंह अन्नू ने इसे संस्कारों की सेवा बताते हुए कहा कि निश्चित रूप से इस कार्य के माध्यम से संस्कारधानी शब्द को सार्थकता निरंगी । सभी आगंतुकों का आभार प्रकट करते हुए आनंदालय के संघातक डॉ बी के पास ने कहा आज समाज में ऐसे अनेक प्रयासों की आवश्यकता है समाज के जिम्मेदार लोगों को इस और ध्यान देना होगा अनंत आनंदालय में अभिनेत्र अटल प्रशिक्षक आचार्य की भूमिका निभा रहे हैं। आयोजन में डॉ दीपक साहू, डॉ अभिषेक नायक, डॉ अथार्ती पाने, मौलिमा सिंह सहित नगर के बुद्ध जन एवं अभिभावक सम्मिलित हुए।

जल जीवन मिशन से भी नहीं मिल पा रहा पानी

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जिले के जनपद पंचायत अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत हिनोतिया भोई में ग्रामीणों को घरों में पीने का पानी नहीं मिलने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार जल जीवन मिशन के तहत क्षेत्र में पाइप लाइन बिछाई गई, और घरों में नल कनेक्शन भी दिया गया। लेकिन इसके बावजूद ग्रामीणों के घरों में पीने का पानी सप्लाई नहीं हो पा रहा है। मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के क्षेत्रिय कार्यालय प्रभारी सुश्री फरजाना मिर्जा ने बताया की मामले में संज्ञान लेकर सुनवाई करते हुए, मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग की मुख्य पीठ के सदस्य राजीव कुमार टंडन ने गंभीर मामला मानकर, ईई पीएचई जबलपुर से मामले की जांच कराकर की गई कार्रवाई के सम्बन्ध में तीन सप्ताह में प्रतिवेदन मांगा है।

स्ट्रांग रूम की परत दर परत सुरक्षा में बंद हैं ईवीएम

चप्पे चप्पे पर नजर, हथियार बंद जवान तैनात

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

अब जिला प्रशासन की सबसे बड़ी प्राथमिकता ईवहीएम मशीनो की सुरक्षा व्यवस्था है। जिसके लिये विशेष तैयारियां की गई हैं। स्ट्रांग रूम की सुरक्षा के लिये कई लेयर में हथियारबंद जवान तैनात किये गये हैं। मानीटरिंग के लिये अधिकारियों की ड्यूटी है। 24 घंटे निगरानी के लिये सीसीटीवी वैसमरे लगे हैं। परिसर के अंदर होने वाली प्रत्येक गतिविधि को सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से रिकॉर्ड किया जा रहा है। इनके वैसमरों को अलावा भी प्रशासन और पुलिस की ओर से परिसर में कई जगह गुप्त सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए है। ताकि किसी भी प्रकार की अवांछित गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई संभव हो। स्ट्रांग रूम की सुरक्षा कृषि विवि परिसर को कई परत के सुरक्षा घेरे में रखा है। कई जगह पर अस्थाई सुरक्षा एवं जांच चौकी बनाई गई है। लोकसभा प्रत्याशी और उनके प्रतिनिधियों के लिए भी स्ट्रांग रूम के बाहर व्यवस्था दी गई। ताकि निष्पक्ष प्रक्रिया और ईवीएम की सुरक्षा को वे देख सकें। पुलिस अधीक्षक ने मतगणना तक कृषि विश्वविद्यालय परिसर के आसपास गश्त भी बढ़ा दी है। रात्रि में विशेष पेट्रोलिंग के निर्देश दिए गए है। प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को परिसर के निरंतर निरीक्षण कर सुरक्षा की समीक्षा के आदेश जिला कलेक्टर ने दिए गए है।

स्ट्रांग रूम देखने पहुंचे प्रत्याशी

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक सक्सेना व पुलिस अधीक्षक आदित्य प्रताप सिंह के साथ लोकसभा प्रत्याशी आशीष दुबे और दिनेश यादव ने रविवार दोपहर स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके साथ ही सीसीटीवी कैमरो के संचालन की व्यवस्था को देखा। स्ट्रांग रूम के निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री धीरेंद्र सिंह और एआरओ श्रीमती शिवाली सिंह भी मौजूद रहे।

डॉ.बाबा साहेब आम्बेडकर की जयंती मनाई गई

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

संयुक्त बौद्ध विहार समिति अधारताल जबलपुर में भारतीय संविधान निमार्ता डॉ बाबा साहेब भीमराव आम्बेडकर की 133 वी जयंती बड़े धूम-धाम मनाई गई। और कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय उमाकांत गजभिये जी ने तथागत गौतम बुध्द एवं विश्वरत्न डॉ.बाबा साहेब भीमराव आम्बेडकर के पास मोमबत्ती अगरबत्ती प्रज्वलित कीऔर माल्यार्पण किया। विशिष्ठ अतिथि माननीय शिवनाथ चौधरी आलम ने शिक्षा के जनक महात्मा ज्योतिबा फुले की छायाचित्र पर माल्यार्पण किया। माननीय डॉ. राजकुमारी ब?सल जी ने डॉ. बाबा साहेब भीमराव आम्बेडकर की छायाचित्र पर माल्यार्पण किया। माननीय रमाताई झोड़ापे जी ने डॉ.बाबा साहेब भीमराव आम्बेडकर की छायाचित्र पर माल्यार्पण किया। माननीय प?कज मेश्राम जी ने डॉ.बाबा साहेब भीमराव आम्बेडकर जी की छायाचित्र पर माल्यार्पण किया। और कार्यक्रम अध्यक्ष माननीय बी.बी.सोनोने जी ने डॉ.बाबा साहेब भीमराव आम्बेडकर की छायाचित्र पर माल्यार्पण किया। और कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय उमाकांत गजभिये जी ने कहा डॉ.बाबा साहेब भीमराव आम्बेडकर ज्ञान के प्रतीक है। और भारत के प्रथम कानून मंत्री, और अर्थशास्त्री थे। और कार्यक्रम के अध्यक्ष बी.बी. सोनोने जी ने आभार व्यक्त में कहा बौद्ध समाज को बहुत ताकतवर बनना चाहिए। और बच्चों को अच्छी शिक्षा देना चाहिए और बौद्ध समाज को बहुत उन्नति करना चाहिए। बौद्ध विहार समिति के सदस्य -एड. मनीषा मेश्राम, प्रमोद सावनकर, सचिन मेश्राम, नन्दकिशोर पटले, दिलीप गणवीर, सुनील मानकर, प्रकाश नाथ चौरे, शैलेन्द्र मेश्राम, रमेश कामड़े, वीरेंद्र बौद्ध एवं समिति के सदस्यगण।

पाथेय संस्था एवं सनाढ्य संगम का आयोजन

ज्योतिष मनीषी कवयित्री डॉ.गीता शर्मा कांकेर छत्तीसगढ़ की कृति 'धन्य धरा पुकारती' का विमोचन सम्पन्न

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त ज्योतिष मनीषी,सनाढ्य संगम की दिशादर्शक, कवयित्री डॉ.गीता शर्मा कांकेर (छत्तीसगढ़) की काव्य कृति 'धन्य धरा पुकारती' का विमोचन 'पाथेय संस्था' एवं 'सनाढ्य संगम' के तत्वावधान समदड़िया इन में सम्पन्न हुआ। डॉ.राजकुमार सुमित्र को समर्पित समारोह की मुख्य अतिथि श्रीमां साध्वी विभानंद गिरी प्रज्ञा पीठाधीश्वर नई दिल्ली थीं। अध्यक्षता देवज्ञ अरुण शर्मा श्री मां दरबार ने की।विशिष्ठ अतिथि महाकवि आचार्य भगवत दुबे,डॉ. गिरीश पाठक थे। समारोह संयोजक राजेश पाठक प्रवीण ने इस अवसर पर सम्मानित जनों के व्यक्तित्व-कृतित्व पर प्रकाश डाला। आभार श्रीमती दुर्गा चौबे ने व्यक्त किया। भक्तिमय गीतों से प्रारंभ समारोह में साध्वी विभानंद गिरी ने कहा कि अध्यात्म से मन की सुप्त चेतना जागृत होती है।डॉ.गीता शर्मा की कविताओं में अध्यात्म के साथ सामाजिक जागरण का संदेश निहित है। अध्यक्षता कर रहे देवज्ञ पं.अरुण शर्मा ने कहा कविताओं में संवेदनशीलता, करुणा, सौहार्द और प्रेम के भाव के साथ दार्शनिक चिंतन निहित है। आचार्य भगवत दुबे एवं डॉ.गिरीश पाठक ने ने इन कविताओं में समाहित नारी जागरण के साथ सांस्कृतिक पक्ष पर प्रकाश डाला। अलंकरण-सम्मान इस अवसर पर समाज में क्रियाशील संस्था सनाढ्य महिला सभा एवं सनाढ्य कल्याण महिला परिषद के साथ वरिष्ठ चिकित्सक डॉ.दिलीप तिवारी,डॉ.दिगंत पाठक, संगीत कलासाधक शेखर शर्मा, श्रीमती अर्चना गोस्वामी,पवित्रादेवी शास्त्री को अतिथियों सहित यशोवर्धन पाठक,प्रतुल श्रीवास्तव, आलोक पाठक, रजनीश गर्ग,विजय किसलय,संतोष नेमा,विजय अनुज, सलपनाथ यादव,दिवाकर शर्मा,सुभाष शलभ, देवेंन्द्र पांडे,ने सम्मानित किया।समारोह में नंदा शर्मा,ऋतु रावत,रेखा पांडे,चंद्रा दीक्षित,रंजना पाठक,मीना भट्ट,रचना पाठक,दीनदयाल तिवारी,राजीव गुप्ता,पुरुषोत्तम भट्ट,विनीता पैगवार,सिध्देश्वरी सराफ उपस्थित रहीं।

संपादकीय

बदलती जीवन शैली में समय पर सजगता जरूरी

देश में कैंसर को लेकर जैसी जागरूकता होनी चाहिए, वह भी संतोषजनक नहीं है। इसका इलाज अब भी सामान्य आयवर्ग की क्षमता से बाहर है। बदलती जीवन-शैली, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, खाद्य पदार्थों में विषाक्तता आदि के चलते बीमारियों का विस्तार हो रहा है। नई-नई बीमारियां जन्म ले रही हैं। कैंसर भी इन्हीं स्थितियों के चलते लगातार अपने पांव पसार रहा है। हालांकि अब इस समस्या से पार पाने के लिए चिकित्सा विज्ञान ने कई आसान और कारगर उपाय तलाश लिए हैं, इसकी दवाओं की उपलब्धता बढ़ी है। मगर यह अब एक आम बीमारी बन गया है। 'लैंसेट' के ताजा अध्ययन में बताया गया है कि अगले पंद्रह-सोलह वर्षों तक हर वर्ष केवल स्तन कैंसर से दस लाख मौतें हो सकती हैं। स्तन कैंसर अब एक आम बीमारी बन चुका है। स्वाभाविक ही इसे लेकर दुनिया भर के स्वास्थ्य विशेषज्ञों की चिंता बढ़ गई है। बेशक इस रोग से पार पाना आसान हो गया है, पर असल समस्या हर किसी तक इसके इलाज की पहुंच संभव न हो पाना है। भारत जैसे समाजों में गरीबी, चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता कम होने तथा महिलाओं और पुरुषों के बीच भेदभावपूर्ण नजरिया व्याप्त होने की वजह से इस समस्या पर काबू पाना और कठिन हो जाता है। भारतीय समाज में महिलाओं की स्वास्थ्य संबंधी देखभाल में मुश्किलें इसलिए भी आती हैं कि महिलाएं खुद इसे लेकर बहुत सजग नहीं होती हैं। शहरी इलाकों में जरूर महिला स्वास्थ्य को लेकर सतर्कता देखी जाती है, मगर ग्रामीण और समाज के निचले कहे जाने वाले तबकों में इसका घोर अभाव नजर आता है। फिर, कैंसर को लेकर जैसी जागरूकता होनी चाहिए, वह भी संतोषजनक नहीं है। इसका इलाज अब भी सामान्य आयवर्ग की क्षमता से बाहर है। इसलिए बहुत सारी महिलाओं में स्तन कैंसर की समय पर पहचान नहीं हो पाती और जिनकी हो भी पाती है, उसमें बहुत देर हो चुकी होती है और उनके लिए इलाज कराना कठिन होता है। 'लैंसेट' के अध्ययन में सुझाव दिया गया है कि इसके लिए स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों को किसी न किसी रूप में संचार कौशल प्रशिक्षण देने की पहल करनी और रोगियों से संपर्क बनाना चाहिए। इस बीमारी को रोकने में सामूहिक प्रयास बहुत जरूरी हैं, जिनमें परिवार, समुदाय और चिकित्सा पेशेवरों का परस्पर जुड़ाव हो।

गधों के खून के प्यासे क्यों हुए चीनी?

चीन में हर साल लाखों गधों की जान शौक की वजह से जा रही है। एक दवा की भारी मांग ने गधों की जिंदगी के लिए जीना मुश्किल बना दिया है। चीन की पारंपरिक दवा कभी लग्जरी लोगों का उत्पाद हुआ करती थी, लेकिन एक टीवी सीरीज में दिखाए जाने के बाद इसकी डिमांड तेजी से बढ़ी।

गधों का इंसानों के साथ रिश्ते की शुरुआत सभ्यता की शुरुआत के साथ ही होती है। मनुष्य कम से कम 5000 साल से काम में सहायता के लिए गधों का प्रयोग करता रहा है। आज भी दुनिया के गरीब इलाकों में करीब 50 करोड़ लोगों की आजीविका गधों पर आश्रित है। लेकिन चीन में इन गधों की जिंदगी पर शामत आ गई है। हर साल यहां लाखों गधों को मारा जा रहा है। देश में गधों की कमी पड़ गई तो दुनियाभर से चीन में गधे लाए जाने लगे। गधों की जिंदगी पर आई इस आफत के पीछे चीनियों की एक सनक है, जिसे पूरा करने के लिए वो इनके खून के प्यासे हो गए हैं।

चीन में ई-जियाओ नाम की एक दवा की भारी डिमांड को पूरा करने के लिए हर साल लाखों गधों की हत्या की जा रही है। ई-जियाओ एक पारंपरिक दवा है, जिसके बारे में दावा किया जाता है कि यह रक्त को शुद्ध करती है। इसके साथ ही स्किन की बीमारियों को ठीक करने, इम्यून सिस्टम को बढ़ाने के साथ ही सौंदर्य उत्पादों और प्रजनन क्षमता को भी बढ़ाने के दावे किए जाते हैं। हालांकि, इसके असर के बारे में वैज्ञानिक समर्थन बहुत कम है।

गधों का इंसानों के साथ रिश्ते की शुरुआत सभ्यता की शुरुआत के साथ ही होती है। मनुष्य कम से कम 5000 साल से काम में सहायता के लिए गधों का प्रयोग करता रहा है। आज भी दुनिया के गरीब इलाकों में करीब 50 करोड़ लोगों की आजीविका गधों पर आश्रित है। लेकिन चीन में इन गधों की जिंदगी पर शामत आ गई है। हर साल यहां लाखों गधों को मारा जा रहा है। देश में गधों की कमी पड़ गई तो दुनियाभर से चीन में गधे लाए जाने लगे। गधों की जिंदगी पर आई इस आफत के पीछे चीनियों की एक सनक है, जिसे पूरा करने के लिए वो इनके खून के प्यासे हो गए हैं।

गधे की खाल से बनाई जाती है दवा

ई-जियाओ को गधे की खाल से निकाले गए कोलेजन का उपयोग करके बनाया जाता है। इसी खाल को पाने के लिए गधों को मारा जाता है। इसकी मांग इतनी ज्यादा है कि सिर्फ दो साल में चीन में गधों की आबादी 2022 में 90 लाख से घटकर 18 लाख पर पहुंच गई। हालत ये हो गई है कि अब चीन के कई इलाकों में गधों की आपूर्ति में दिक्कत हो रही है, जिसके चलते गधों को दूसरे देशों से मंगाया जा रहा है। इनमें अफ्रीका विशेष रूप से है, जहां से बड़ी मात्रा में गधे चीन सप्लाई किए जा रहे हैं।

एक टीवी सीरीज से डिमांड में आई दवा

पारंपरिक रूप से ई-जियाओ एक लग्जरी उत्पाद था। 1644 से 1912 तक चीन पर शासन करने वाले किंग राजवंश के दौरान यह अभिजात वर्ग के इस्तेमाल की चीज थी। लेकिन 2011 में शुरू हुई एक लोकप्रिय चीनी टेलीविजन सीरीज एम्प्रेस इन द पैलेस में दिखाए जाने के बाद आम जनता में इसे लेकर आकर्षण शुरू हुआ। अब मध्यम और बुजुर्ग आयु के लोगों में इसकी डिमांड काफी बढ़ गई है। रॉयटर्स ने अपनी रिपोर्ट में चीन के सरकारी मीडिया के हवाले से बताया है कि पिछले एक दशक में इसकी कीमत 100 युआन प्रति 500 ग्राम से बढ़कर आज 2986 युआन (लगभग 35000 भारतीय रुपये) हो गई है। ब्रिटिश चैरिटी संस्था द डंकी सैंक्चुअरी की रिपोर्ट के अनुसार, ई-जियाओ इंडस्ट्री को हर साल 59 लाख गधों की खाल की आवश्यकता होती हैं।

आखिर यूपी में क्या सियासी गुल खिलाएगी राहुल-अखिलेश की जोड़ी?

उत्तरप्रदेश में पहले चरण के मतदान से दो दिन पहले यानी गत बुद्धवार को दिल्ली से सटे गाजियाबाद महानगर के कौशांबी स्थित फाइव स्टार होटल रेडिसन ब्लू सभागार में, गाजियाबाद लोकसभा क्षेत्र की इंडिया गठबंधन की कांग्रेस प्रत्याशी डॉली शर्मा के समर्थन में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जो संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित किया, उसके सियासी मायने स्पष्ट हैं। यहां के शानदार मंच से दोनों नेताओं ने भाजपा की मोदी सरकार के प्रति जो तल्खी दिखाई, उससे यह सवाल उभरकर सामने आया कि आखिर यूपी में क्या सियासी गुल खिलाएगी राहुल-अखिलेश की जोड़ी?

राहुल गांधी से पहले संवाददाता सम्मेलन की शुरुआत करते हुए अखिलेश यादव का यह कहना कि मुझे खुशी है आज हम मिलकर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं, बेहद अहम है। उन्होंने तो साफ कहा कि यूपी में गाजियाबाद से लेकर गाजीपुर तक भाजपा का सफाया होने जा रहा है।

उत्तरप्रदेश में पहले चरण के मतदान से दो दिन पहले यानी गत बुद्धवार को दिल्ली से सटे गाजियाबाद महानगर के कौशांबी स्थित फाइव स्टार होटल रेडिसन ब्लू सभागार में, गाजियाबाद लोकसभा क्षेत्र की इंडिया गठबंधन की कांग्रेस प्रत्याशी डॉली शर्मा के समर्थन में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जो संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित किया, उसके सियासी मायने स्पष्ट हैं। यहां के शानदार मंच से दोनों नेताओं ने भाजपा की मोदी सरकार के प्रति जो तल्खी दिखाई, उससे यह सवाल उभरकर सामने आया कि आखिर यूपी में क्या सियासी गुल खिलाएगी राहुल-अखिलेश की जोड़ी?

यूपी में कांग्रेस-सपा गठबंधन होने के बाद पहली बार दोनों नेता एक साथ, एक मंच पर दिखाई दिए और पत्रकारों के लाख कुरेदने के बावजूद भी संतुलित और सधे हुए अंदाज में जो बातें कहीं, उसके राजनीतिक मायने स्पष्ट हैं।

पहला यही कि कांग्रेस-सपा की यह युगलबंदी लंबी चलेगी। क्योंकि पीएम पैदा करने वाले इस प्रदेश से यदि भाजपा और एनडीए गठबंधन को खदेड़ना है, तो पीएम के हवा-हवाई मुद्दों की बजाए राहुल गांधी-अखिलेश यादव के जमीनी मुद्दों यानी कांग्रेस की गारंटी (जिसमें इंडिया गठबंधन के मुद्दों को समाविष्ट किया गया है) की बात पर जोर देना होगा। कांग्रेस की गारंटी का मतलब समाज के समस्त दबे-कुचले लोगों के परवरिश और उत्थान की बात, जैसा कि उसमें समाविष्ट किया हुआ है। साफ शब्दों में कहें तो किसान-मजदूर-कारीगर, युवा, महिलाएं, कुटीर-लघु कारोबारी आदि के हित।

दूसरा, रामनवमी के दिन ही इंडिया गठबंधन के पहले संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन होने और इस दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा नेता अखिलेश यादव द्वारा देशवासियों और पत्रकारों को रामनवमी की बधाई देने का स्पष्ट मकसद है कि इंडिया गठबंधन सनातन मर्यादाओं की उपेक्षा अब नहीं करेगा। क्योंकि 2014 और 2019 का नजीर उसके सामने है। लिहाजा, 2024 में पुरानी गलतियों से सबक लेने की कोशिश की गई है। शुरुआत भी अच्छी है।

तीसरा, वार्ता में राहुल गांधी का यह कहना कि ये चुनाव विचारधारा का चुनाव है, काफी अहम है। उनके शब्दों में, एक तरफ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा लोकतंत्र और संविधान को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं, दूसरी तरफ कांग्रेस नीत इंडिया गठबंधन देश में लोकतंत्र और संविधान को बचाने की लड़ाई लड़ रही है। इससे साफ है कि कांग्रेस अपने पुराने मुद्दे पर अडिग है और सावधानी पूर्वक नए मुद्दों से खुद को जोड़ रही है, जो अच्छी बात है।

चतुर्थ, बकौल राहुल गांधी, इस चुनाव में 2-3 बड़े मुद्दे हैं। वह है महंगाई, बेरोजगारी और

भागीदारी। लेकिन इसके बारे में ना तो प्रधानमंत्री बात कर रहे हैं और ना ही बीजेपी बात कर रही है। यही वजह है कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर सीधे हमला बोलते हुए कहा कि हमारे प्रधानमंत्री कभी मुद्दों पर बात नहीं करते। मुद्दों पर बात करने की बजाय कभी वह समुद्र की गहराईयों में चले जाते हैं, तो कभी वह आसमान में सी प्लेन पर चले जाते हैं। संभवतया जनता भी इस बात को समझने लगी है, जिससे यूपी में राहुल-अखिलेश का ग्राफ ऊंचा उठने के संकेत मिलने लगे हैं।

पांचवां, राहुल गांधी ने कहा कि पीएम ने एक साक्षात्कार में इलेक्टोरल बॉन्ड को सही बताया और चुनाव में पारदर्शिता लाने के लिए इसे जरूरी बताया। यदि यह सच है तो इस सिस्टम को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द क्यों किया? उन्होंने यह भी कहा कि जिन लोगों ने भाजपा को चुनाव के नाम पर करोड़ों की रकम दी, भाजपा उनका नाम क्यों नहीं उजागर कर रही है। उन्होंने पीएम मोदी पर तंज कसते हुए यहां तक कहा कि इलेक्टोरल बॉन्ड अपने आपमें दुनिया का सबसे बड़ा संगठित घोटाला है। इसमें सरकारी एजेंसी और बीजेपी नेतृत्व की दोनों भूमिका संदेहास्पद है। इस प्रकार इलेक्टोरल बांड सबसे बड़ा एक्सटॉर्शन है।

पीएम मोदी भ्रष्टाचार के चैंपियन हैं। विपक्ष के नेता का ऐसा तेवर तभी दिखता है, जब सत्तारूढ़ सरकार का अवसान सुनिश्चित होने का फीडबैक कार्यकर्ता देते हैं।

छठा, राहुल गांधी से पहले संवाददाता सम्मेलन की शुरुआत करते हुए अखिलेश यादव का यह कहना कि मुझे खुशी है आज हम मिलकर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं, बेहद अहम है। उन्होंने तो साफ कहा कि यूपी में गाजियाबाद से लेकर गाजीपुर तक भाजपा का सफाया होने जा रहा है। भाजपा की हर बात झूठी निकली। न किसान की आय दोगुनी हुई, न युवाओं को रोजगार मिला, विकास के वादे भी अधूरे हैं। इलेक्टोरल बॉन्ड ने इनकी पोल खोल दी है। भाजपा भ्रष्टाचारियों का गोदाम बन गई है। लूट और झूठ भाजपा की पहचान बन गई है। इसलिए मोदी-योगी सरकार से मुक्ति के लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे। कार्यकर्ताओं को तालमेल बिठाकर चलना होगा।

सप्तम, अखिलेश यादव का यह कहना कि गाजियाबाद यानी पश्चिम उत्तरप्रदेश से चल रही हवा पूर्वी यूपी में गाजीपुर तक जाएगी और पूरे देश में बदलाव लाएगी। हमारा इंडिया गठबंधन गाजियाबाद से गाजीपुर तक क्लीन स्वीप करेगा। हमें पूरी उम्मीद है कि इस बार केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी, काफी अहम है। उनका यह कहना कि इस बार पश्चिम से बदलाव की हवा चली है। जनता भाजपा के झूठ और वादा खिलाफी से तंग आ चुकी है। इलेक्टोरल बॉन्ड ने भाजपा की बैंड बजा दी है। भाजपा भ्रष्टाचारियों का गोदाम बनकर रह गई है। उनकी इन बातों से साफ संकेत मिलता है कि उनके द्वारा शुरू किया हुआ पीडीए अभियान अपनी जमीनी पकड़ बना चुका है, जिसका आत्मविश्वास उनके शब्दों से झलक रहा है। कांग्रेस को भी इसका फायदा मिलेगा।

अष्टम, आगामी चुनाव में सीटों की संख्या को लेकर पत्रकारों के सवालों के जवाब देते हुए राहुल गांधी का यह कहना कि पहले उन्हें लगता था कि बीजेपी 180 सीट जीत जाएगी, लेकिन अब उन्हें लग रहा है कि बीजेपी 150 सीटों पर सिमट जाएगी। इससे साफ जाहिर है कि मीडिया रिपोर्ट के उलट भी उनका जमीनी तंत्र सक्रिय है और उन्हें लगातार फीडबैक मिल रहे हैं। तभी तो उन्होंने कहा कि हर राज्य से रिपोर्ट मिल रही है कि हम अच्छा कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश में हमारा गठबंधन बहुत मजबूत है और हम अच्छा करेंगे।

नवम, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने साफ कहा है कि गठबंधन तीन प्रमुख मुद्दों पर चुनाव लड़ रही है। इसमें पहला बेरोजगारी, दूसरा महंगाई और तीसरा भागीदारी है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में हर बार परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होता है जिससे लाखों युवा आहत होते हैं। इसलिए, जब गठबंधन की सरकार आएगी तो वह युवाओं को रोजगार देगी। वहीं, प्रत्येक परिवार की एक महिला को सालाना एक लाख रुपये देगी। वहीं, जातीय जनगणना कराकर पिछड़े लोगों को आगे ले जाने का काम करेगी।

दशम, इंडिया गठबंधन की कांग्रेस प्रत्याशी डॉली शर्मा के पक्ष में वोट करने की अपील के लिए आहूत इस संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में बागपत से सपा प्रत्याशी अमरपाल शर्मा के अलावा अन्य दो गठबंधन प्रत्याशियों को साथ खड़ा करके पत्रकारों को सामूहिक फोटो दिए। इस दौरान उन्होंने अपने गठबंधन के सभी प्रत्याशियों के लिए मतदान करने की अपील की। वहीं, मंच पर राष्ट्रीय महासचिव व उत्तरप्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय, उत्तरप्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय, एआईसीसी के संचार प्रमुख जयराम रमेश, सोशल मीडिया प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत, पूर्व सपा मंत्री शाहिद मंजूर व अन्य राजनेतागण की उपस्थिति से साफ संकेत मिलता है कि रणनीतिक स्तर पर पार्टी और गठबंधन कोई चूक करना नहीं चाहते हैं। वहीं, डॉली शर्मा द्वारा आयोजित किये गए इस शानदार व बेमिसाल प्रेस कॉन्फ्रेंस ने अन्य प्रत्याशियों में भी होड़ पैदा करने का कार्य कर चुकी है, जो सबके बस की बात नहीं है।

खास बात यह कि पत्रकारों ने राहुल गांधी और अखिलेश यादव की कमजोरी और मजबूती को लेकर, इंडिया गठबंधन और एनडीए को लेकर जितने भी तल्ख सवाल किए, उसका बेलाग जवाब देकर दोनों नेताओं ने यह साबित कर दिया कि यूपी में कोई नया सियासी गुल खिलाएगी राहुल-अखिलेश की जोड़ी। तैयारी पूरी है, बस जनादेश की जरूरत है, जिसके लिए तमाम सधी हुई पहल की जा रही है। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार व स्तम्भकार हैं)

मानव विकास को प्राथमिकता जरूरी

संभावना जताई जा रही है कि वर्ष 2047 तक भारत विकसित देशों की सूची में जगह बना लेगा। इस विषय पर चर्चा भी जमकर हो रही है। परंतु, विकसित देश बनने की प्रतिष्ठा अर्जित करने के लिए भारत को विकास से संबंधित अपनी नीतियों में कई बदलाव करने होंगे। विकास नीति के अंतर्गत जिन दो प्रमुख खंडों में बड़े बदलावों की आवश्यकता है वे हैं मानव विकास झविशेषकर शिक्षा एवं स्वास्थ्य- और तकनीकी नवाचार। कुछ मायनों में दूसरा खंड काफी हद तक पहले खंड पर निर्भर है और इसलिए मैं यहां मानव विकास पर ध्यान केंद्रित करना चाहूंगा। राष्ट्रीय लेखा आंकड़ों के अनुसार देश की अर्थव्यवस्था में वर्ष 2021-22 में शिक्षा एवं स्वास्थ्य की हिस्सेदारी साधारण थी। सकल मूल्य वर्द्धन में इनका हिस्सा क्रमशः 4 प्रतिशत और 1.6 प्रतिशत था। अगर हम भारत को एक विकसित देश बनाना चाहते हैं तो यह स्थिति बदलनी होगी। शिक्षा एवं स्वास्थ्य न केवल आर्थिक वृद्धि लिए आवश्यक हैं बल्कि विकास लक्ष्यों का आवश्यक हिस्सा भी हैं। विकास के लक्ष्यों में लोगों के जीवन की गुणवत्ता भी शामिल की जानी चाहिए। आर्थिक वृद्धि दर और मानव विकास के कुछ मानकों के बीच आपसी संबंध यह नहीं बताता है कि ऊंची आर्थिक वृद्धि बेहतर मानव विकास सुनिश्चित करती है या फिर मानव विकास बेहतर होने से आर्थिक वृद्धि की गति तेज हो जाती है। इसे बेहतर ढंग से समझने के लिए अधिक सावधानी पूर्वक आंकड़ों के विश्लेषण की आवश्यकता होगी। जनक राज, वृंदा गुप्ता और आकांक्षा श्रवण ने हाल में अपने एक आलेख में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा निर्धारित मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) और 1990-2019 के दौरान राज्य स्तरीय आर्थिक विकास के बीच संबंध का विश्लेषण किया गया है। उनके विश्लेषण में एचडीआई और भारत में आर्थिक विकास के बीच दीर्घ अवधि के संबंध का जिक्र किया गया है। परंतु, कारण एवं प्रभाव के संदर्भ में यह संबंध दो दिशाओं वाला है। इसका अभिप्राय यह है कि त्वरित वृद्धि के लिए उच्च मानव विकास जरूरी है और मानव विकास के स्तर में सुधार के लिए आर्थिक वृद्धि भी उतनी ही आवश्यक है। वे शिक्षा एवं स्वास्थ्य पर सार्वजनिक व्यय से एचडीआई पर होने वाले प्रभाव का स्पष्ट आकलन नहीं कर पाए। शिक्षा के प्रभाव के विश्लेषण से पता चलता है कि प्राथमिक शिक्षा में सुधार का अंतर-राज्यीय स्तर पर वृद्धि में भिन्नता पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ता है। मगर माध्यमिक शिक्षा में सुधार का असर क=षि एवं विनिर्माण क्षेत्र में वृद्धि पर पड़ता है। इसके अलावा, उच्च शिक्षा में सुधार का सेवाओं पर भी व्यापक असर होता है। तो क्या सार्वजनिक व्यय अधिक कारगर नहीं रहने का कारण पर्याप्त वित्त पोषण की कमी हो सकता है? विश्व बैंक के विकास सूचकांकों के अनुसार वर्ष 2021 में भारत में शिक्षा पर खर्च सरकार के कुल व्यय का 14.7 प्रतिशत रहा था। यह आंकड़ा निम्न मध्यम-आय वाले देशों से मेल खाता है। हालांकि, 2018 में स्वास्थ्य पर खर्च सरकार के कुल व्यय का 3.5 प्रतिशत था। यह निम्न मध्यम-आय वाले देशों के 5.1 प्रतिशत से कम रहा था। शिक्षा एवं स्वास्थ्य पर होने वाला खर्च केंद्र एवं राज्य सरकारों के व्यय पर कितना निर्भर है? राष्ट्रीय लेखा क्षेत्र द्वारा चिह्नित ह्यअन्य सेवाओंह्ण में शिक्षा एवं स्वास्थ्य की लगभग 80 प्रतिशत भागीदारी होती है। ह्यअन्य सेवाओंह्ण में सार्वजनिक क्षेत्र की सकल नियत पूंजी निर्माण (जीएफसीएफ) में 17 प्रतिशत भागीदारी थी और 83 प्रतिशत हिस्सा निजी क्षेत्र एवं परिवारों से आया। सरकार की तरफ से की गई अनदेखी इस बात से झलकती है कि वर्ष 2021-22 में सार्वजनिक क्षेत्र के जीएफसीएफ में ह्यअन्य सेवाओंह्ण की हिस्सेदारी केवल 5.9 प्रतिशत थी। शिक्षा एवं स्वास्थ्य क्षेत्रों में दिखे नतीजे निराशाजनक रहे हैं। ह्यएनुअल स्टेट ऑफ एजुकेशनह्ण शीर्षक से ह्यप्रथमह्ण की नवीनतम रिपोर्ट में कहा गया है कि 14 से 18 वर्ष के उम्र दायरे में आने वाले लगभग 25 प्रतिशत छात्र कक्षा 2 की पुस्तक ठीक ढंग से अपनी क्षेत्रीय भाषा में नहीं पढ़ पाते हैं। रिपोर्ट के अनुसार लगभग आधे बच्चे भाग (तीन अंकों की संख्या को एक अंक की संख्या से भाग) देने में कठिनाई महसूस करते हैं। कम उम्र के छात्रों में गुणवत्ता से जुड़ी समस्या दयनीय है। यह रिपोर्ट 14-18 वर्ष के बच्चों पर ध्यान केंद्रित करती है। जहां तक स्वास्थ्य क्षेत्र में दिखे प्रभावों की बात है तो कुछ सकारात्मक असर दिखे हैं, मसलन शिशु मृत्यु दर में कमी इसका एक उदाहरण है। परंतु बच्चों में पोषण में कमी और संक्रामक बीमारियों का प्रसार लगातार जारी रहना चिंता के दो प्रमुख कारण हैं। गरीब लोगों के लिए अपर्याप्त सार्वजनिक प्रावधान एक गंभीर त्रुटि है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार वर्तमान स्वास्थ्य व्यय में परिवारों को अपनी जेब से 52 प्रतिशत हिस्से का भुगतान करना पड़ता है। इसका एक बड़ा कारण यह है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों पर निःशुल्क दवाओं का पर्याप्त प्रावधान नहीं किया गया है। उपभोक्ता व्यय सर्वेक्षण के आंकड़ों के आधार पर हाल में किए गए एक ताजा अध्ययन में अनुमान लगाया गया कि 2011-12 में लगभग 4.6 करोड़ लोगों को स्वास्थ्य मद में भारी भरकम रकम खर्च करनी पड़ी। यह रकम उनके कुल खर्च का 10 प्रतिशत या इससे अधिक हो गई। ये खर्च गंभीर बीमारियों के इलाज पर हुए। ऐसी विपरीत परिस्थितियों में लोगों को उत्पादक परिसंपत्तियां बेचनी पड़ीं और रकम उधार लेनी पड़ी। इतना ही नहीं, उन्हें बच्चों की शिक्षा पर खर्च में कटौती तक करनी पड़ी। मानव विकास में व्यापक सुधार ऊंचे एवं अच्छी तरह संगठित सार्वजनिक व्यय और शिक्षा एवं स्वास्थ्य विकास में निजी गतिविधियों के संवर्द्धन एवं नीति नियमन पर निर्भर करेगा। लोक नीतियों एवं स्वास्थ्य सुविधाओं पर व्यय का मुख्य लक्ष्य लोगों के जीवन में बदलाव लाने पर होना चाहिए न कि आर्थिक प्रभाव पर। मुख्य ध्यान गरीब परिवारों की जेब से होने वाले खर्च में कमी करने पर होना चाहिए। वास्तव में गरीबों की हालत तब और तंग हो जाती है जब उन्हें इलाज के लिए अपने गांव या छोटे शहरों से दूर जाना पड़ता है। स्वास्थ्य सुविधाओं के प्रति एक ऐसे व्यापक दृष्टिकोण के आर्थिक प्रभाव भी दिखेंगे जो पर्यावरण में सुधार पर ध्यान केंद्रित करता है। मुझे स्मरण है कि एक पोषण विशेषज्ञ ने योजना आयोग (अब नीति आयोग) को सलाह दी थी कि पूरक खाद्य आपूर्ति की तुलना में सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति पोषण में सुधार का अधिक विश्वसनीय जरिया हो सकती है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि लोगों का स्वास्थ्य बेहतर रहेगा तो इसके सकारात्मक आर्थिक प्रभाव भी दिखेंगे। पंजाब के एक मशहूर अर्थशास्त्री ने तर्क दिया था कि राज्य में कृषि के विकास में मलेरिया उन्मूलन का बड़ा योगदान रहा है। देश में स्कूल और कॉलेज तेजी से स्थापित हो रहे हैं। अब इंजीनियरिंग में उच्च शिक्षा के तेजी से प्रसार की आवश्यकता है। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार की चुनौती जरूर है मगर राजनीतिक कारणों से पाठ्यक्रमों में बदलाव की जरूरत तो बिल्कुल नहीं है, बल्कि प्राथमिक विद्यालयों से लेकर उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार की आवश्यकता है। इसके लिए सार्वजनिक एवं निजी शैक्षणिक संस्थानों के प्रदर्शन की समीक्षा की जरूरत होगी। अगर प्रथम जैसी गैर-सरकारी संस्था प्रदर्शन की समीक्षा की दिशा में काम कर सकती है तो सरकार क्यों नहीं इसके लिए एक व्यापक प्रणाली स्थापित कर सकती है? उच्च शिक्षा में सुधार के लिए लीक से हटकर एक कदम यह हो सकता है कि हम संस्थाओं को अनुदान देने की प्रणाली से हटकर छात्रों को अनुदान या ऋण देने की पद्धति अपनाएं (और विशेष अधिकार प्राप्त विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को समाप्त किया जाए)। हम छात्रों को पढ़ाई की गुणवत्ता के आधार पर शिक्षण संस्थान चुनने की स्वतंत्रता दी जाए।

स्टंट करती बाईक पेड़ से टकराई लगी आग

पालीटेकनिक छात्र की दुर्घटना में मौत

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

बरगी नगर चौकी अंतर्गत बरगी से घूम कर लौट रहे एक नौजवान युवक को सूनसान सड़क पर बाईक पर स्टंट करने पर जान से हाथ धोना पड़ा। अनियंत्रित होकर बाईक एक पेड़ से जा टकराई। इतना ही नहीं टक्कर इतनी जोर दार थी की पेड़ से टकराते ही बाईक का पेट्रोल टैंक फटा और आग लग गई। हादस में बाईक चला रहे युवक की मौत हो गई। घटना के संबंध में बरगी नगर चौकी पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार आमनपुर मदन महल निवासी 18 वर्षीय यश तानवेश अपने मित्रों के साथ बरगी बांध घूमने गया था। बताया गया है कि यश एक निजी पालीटेकनिक कालेज में प्रथम वर्ष का छात्र था। रविवार सुबह दोस्तों के साथ बरगी घूमने गया था। लौटते समय बरगी नगर पहुंचते ही सुनसान सड़क मिली तो तीनों स्टंट करते हुए बाइक रफ्तार से भगाने लगे। यश के दोस्त आयुष विश्वकर्मा और नवजोत विनोदिया ने बाइक तेज रफ्तार से लेकर आगे बढ़ गए। वहीं यश पीछे रह गया उसने अपने दोस्तों के करीब पहुंचने के लिए बाइक की रफ्तार को बढ़ाई तो बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। पेड़ से टकराते ही बाइक में आग लग गई और यश भी आग की चपेट में आकर बुरी तरह से जल गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

पीछे रह गया था यश

यश सुबह करीब सात बजे अपने दो दोस्त नवजोत विनोदिया और आयुष विश्वकर्मा के साथ घर से निकला। तीनों युवक अपनी-अपनी बाइक पर सवार थे। जबलपुर से बरगी तक तीनों ही एक दूसरे से को पीछे छोड़ने के चक्कर में गाड़ी तेज रफ्तार से दौड़ा रहे थे। तीनों दोस्त बरगी नगर में रूके और चाय नाश्ता किया। यहां से वे बरगी बांध के लिए निकल पड़े। यश के दो दोस्त बाइक तेजी से लेकर निकले जिनका पीछा करने के लिए यश ने भी बाइक की रफ्तार बढ़ा दी। इसी तेजी में उसकी बाइक पेड़ से टकरा गई।

परिजनों को दी घटना की जानकारी

काफी देर तक जब यश नहीं आया तो आयुष और तानवेश ने अपनी-अपनी बाइक पीछे मोड़ी और उसे देखने चले गए। जैसे ही दोनों किशोर वीआईपी सर्किट हाउस के पास पहुंचे तो देखा कि लोगों की भीड़ लगी थी। यश की बाइक सड़क के किनारे जल रही थी, पास में ही उसका जला हुआ शव था। घटना की जानकारी स्थानीय लोगों ने बरगी नगर चौकी को दी, थोड़ी देर बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक यश के परिजनों को घटना की जानकारी दी।

हावेस्टर पुल से गिरा, 3 की मौत, एक घायल

हरयाणा से गेहूं की कटाई के लिये आए युवक दुर्घटना का शिकार

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

कुंडम थाना अंतर्गत करनपुरा गांव के पास पुल से एक हार्वेस्टर गिर गया। इस हादसे में तीन लोगों की घटना स्थल पर मौत हो गई, जबकी चौथा घायल है। उसे कुंडम अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल रेफर कर दिया गया। घटना रविवार सुबह की बताई गई है। घटना स्थल पर महुआ बीन रहे कुछ लोगों ने घटना की सूचना कुंडम पुलिस थाने को दी। उसके बाद कुंडम पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिये अस्पताल भिजवाया गया। वहीं क्रेन की मदद से हार्वेस्टर को हटाकर उसमें दबे दो लोगों की लाश निकलवाई गई। शवों का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिये भिजवाया गया। मृतकों को जिला कलेक्टर ने राजस्व पुस्तक परीपत्र के प्रावधानों के तहत चार चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की है। कुंडम पुलिस थाने से ईएमएस को प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना की सूचना मिलने पर एसडीओपी आकांक्षा उपाध्याय, थाना प्रभारी अनूप नामदेव मौके पर पहुंचे। और जेसीबी के जरिए शवों को बाहर निकाला. घायल को अस्पताल पहुंचाया. हरियाणा में करनाल के श्यामगढ़ निवासी सुखवीर सिंह, बेटे अजय सिंह, पप्पू और खूब सिंह के साथ हार्वेस्टर लेकर 20 दिन पहले जबलपुर आए थे. जबलपुर के कई गांव में गेहूं की फसल काटने के बाद उन्हें बघराजी में फसल काटने का ऑर्डर मिला था. रविवार सुबह पचास वर्षीय सुखवीर सिंह , 25 वर्षीय अजय सिंह एवं पप्पू सिंह और 30 वर्षीय खूब सिंह हार्वेस्टर लेकर जबलपुर से तिलसानी होते हुए बघराजी गांव जा रहे थे. जैसे ही हार्वेस्टर करनपुरा के घाट से नीचे जा रहा था, तभी अनियंत्रित होकर बीस फीट नीचे जा गिरी. हार्वेस्टर चला रहे अजय सिंह सहित पप्पू और खूब सिंह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सुखवीर सिंह को गंभीर चोट आई है।

मृतकों को चार चार लाख की आर्थिक सहायता

जबलपुर कलेक्टर दीपक सक्सेना ने बताया कि घायल सुखवीर सिंह का इलाज जबलपुर मेडिकल कॉलेज में करवाया जा रहा है. राज्य सरकार की तरफ से मृतक अजय सिंह, पप्पू सिंह और खूब सिंह के परिजन को मध्यप्रदेश शासन की ओर से 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

काम से लौट रहे युवक के साथ मारपीट

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

थाना बेलबाग थाना अंतर्गत छुई मोहल्ला में टाल से काम करके लौट रहे एक युवक को रास्ते में बदमाशों ने रोका और उसके साथ गालीगलौच कर मारपीट कर दी। पुलिस के मुताबिक छुई मोहल्ला बेलबाग निवासी 22 वर्षीय अन्नू राय लकड़ी के टाल से काम करने के बाद कल रात लौट रहा था। तभी मेन रोड पर हर्श और साथी राहुल सोनकर ने उसे रोका और उससे उलूल जुलूल बातें करने लगे। दोनों ने लकड़ी से हमला कर उसे घायल कर दिया। उसके सिर में चोट आई है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 294, 323, 506, 34 का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

बीच बचाव में अस्पताल के सुरक्षाकर्मी भी घायल

मेडिकल कॉलेज उपचार के लिए आए दो पक्ष भिड़े

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

गढ़ा थानांतर्गत नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एक विवाद और झगड़े के बाद घायल होकर उपचार कराने पहुँचे दो पक्ष अस्पताल में भिड़ गए। अस्पताल में दोनों पक्षों में विवाद के बाद इलाज के लिए पहुंचे लड़कों के बीच विवाद हुआ। मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने दोनों ही गुट के लड़कों को जब अलग-अलग करने की कोशिश की तो आरोपियों ने उन पर भी हमला कर दिया जिसके चलते बीच बचाव में दो सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों एवं पुलिस के अनुसार पुराने विवाद को लेकर दो पक्षों के युवकों में विवाद हो गया, विवाद बढ? पर उनके बीच जमकर चाकूबाजी हुई। बताते हैं कि आरोपी अंकुर राय और शशांक तिवारी का कुछ दिनों पहले विवाद हुआ था। इस मामले पर अंकुर राय का थाने और कोर्ट में काफी पैसा खर्च हो गया। इसी को लेकर सैनिक सोसायटी में अंकुर अपने साथी राजा विश्वकर्मा के साथ पंहुचा और पुराने विवाद में थाने और कोर्ट में लगे पैसे मांगते हुई समझौता करने का दबाव बनाने लगा। अंकुर और शशांक का विवाद होते देख जब उसे बचाने के लिए पड़ोस के कुछ लड़के आए तो उन पर तलवार चाकू से हमला कर दिया, बीच बचाव के दौरान सोनू और सागर जब मौके पर पहुंचे तो अंकुर और राजा ने उन पर हमला कर दिया।

मेडिकल कॉलेज में भी भिड़ गए घायल- अंकुर और शशांक के बीच हुए विवाद में राजा सहित दो अन्य लड़के घायल हुए, जिन्हें इलाज के लिए मेडिकल कालेज ले जाया गया। यहां पर भी दोनों गुट के लड़के आकस्मिक चिकित्सा कक्ष (मेडिकल ओपीडी) में ही भिड़ गए। मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने जब दोनों गुट के लड़कों को अलग किया तो उन पर भी हमला कर दिया गया। मुश्किल से सुरक्षाकर्मियों ने लड़कों को अलग किया, जिसके बाद उनका इलाज करवाया गया। कृपाल चौक में रहने वाली एक युवती ने बताया कि राजा विश्वकर्मा और अंकुर के साथी मेडिकल कॉलेज पहुंचे और उन्होंने दबाव बनाया कि घटना को लेकर किसी तरह की अगर शिकायत हुई तो अच्छा नहीं होगा। मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान भी दोनों गुट के लड़के डॉक्टरों के सामने ही भिड़ गए, जिन्हें कड़ी मशक्कत कर काबू किया गया। दोनों पक्षों के खिलाफ प्रकरण दर्ज घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची गढ़ा थाना पुलिस ने सुरक्षाकर्मियों की शिकायत पर हंगामा और मारपीट करने वाले दोनों गुटों के लड़कों के खिलाफ मामला दर्ज किया। गढ़ा थाना प्रभारी नीलेश दोहरे ने बताया कि पुराने विवाद को लेकर अंकुर और शशांक के बीच विवाद हुआ था, बीच बचाव में राजा और सोनू आए तो वो लोग भी भिड़ गए, दोनों पक्षों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। घायलों का मेडिकल कालेज में इलाज चल रहा है, घटना की जांच की जा रही हैं।

जिले में तेज हवाओं के बीच बारिश की संभावना

पश्चिमी विक्षोभ से आज से फिर बदलेंगे मौसम के मिजाज

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

एक बार फिर मौसम पलटी मारेगा, पश्चिमी विक्षोभ फिर पलटी मारेगा। आज सोमवार 22 अप्रैल को जबलपुर संभाग के सभी जिलों में तेज हवाओं के बीच हलकी बारिश की संभावना बन रही है। पश्चिमी विक्षोभ के बीच बादलों की आवाजाही होने के कारण दिन के पारे में आंशिक गिरावट आई। संभाग के जिलों में इसका असर देखा जाएगा। हवाओं की दिशा भी उत्तर पश्चिमी हो गई है। मौसम विज्ञानिकों का कहना है कि आज से फिर मौसम बदलेगा अगले तीन दिन तक आंधी व बारिश का दौर दोबारा शुरू होगा। अगले दो दिन पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है, जिसका असर जबलपुर समेत पूरे मध्यप्रदेश में दिखाई देगा। जबलपुर का अधिकतम तापमान बादलों की वजह से शनिवार के मुकाबले तीन डिग्री नीचे गिरा और 38.7 डिग्री सेलसियस पर टिक गया। मौसम विज्ञानिकों के मुताबिक इस समय एक पश्चिमी विक्षोभ पूर्वी ईरान और उससे लगे अफगानिस्तान पर बना हुआ है। इस मौसम प्रणाली के असर से उत्तर भारत के पहाड़ी क्षेत्रों में मौसम का मिजाज बदलने लगा है, हालांकि इसका प्रदेश के शहरें पर कोई विशेष असर नहीं रहा, लेकिन पश्चिमी विक्षोभ के उत्तर भारत के नजदीक पहुंचने पर हवाओं के साथ नमी आना शुरू हो जाएगा, जिससे अधिकतर शहरों में बादल छा सकते हैं । बूंदाबांदी के साथ कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश की स्थिति होगी। इतना ही नहीं 24 अप्रैल से गर्मी और लू की भी आशंका है। इस दौरान तापमान में भी उतार चढ़ाव देखने को मिलेगा। सोमवार से मौसम बदलेगा और वेस्टर्न डिस्टरबेंस के असर से जबलपुर जिले में आंधी के साथ बारिश की आशंका है। स्थानीय मौसम विज्ञान केंद्र ने ईएमएस को बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकत्तम तापमान 38.07 डिग्री सेल्सियस सामान्य दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान 26.06 डिग्री सामान्य से 3 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। हवा में नमी प्रातः काल 34 प्रतिशत और सायंकाल 18 प्रतिशत आंकी गई। गत वर्ष आज के दिन का अधिकत्तम तापमान 36.01 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 21.05 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया गया था। सूर्योदय सुबह 5.43 मिनिट पर और सूर्यास्त शाम 6.34 मिनिट पर हुआ। प्रदेश में सबसे अधिक 42.1 डिग्री तापमान खंडवा जिले में दर्ज किया गया। जबकि सबसे कम न्यूनतम 18.8 डिग्री तापमान नीमच जिले में दर्ज किया गया। उत्तर पश्चिमी हवायें 5 से 6 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चलीं। अगले 24 घंटों के दौरान मौसम शुष्क रहेगा। अगले 24 घंटों के दौरान संभाग के जिलों में तेज गरज चमक के साथ वर्षा की संभावना है। साथ ही 30 से 40 किलोमीटर प्रतिघंटे के रफ्तार से तेजहवाएं भी चल सकती हैं।

विज्ञापन एवं एजेंसी के लिए संपर्क करें
सिटी ऑफिस- त्रिपुरी भवन, जेडीए योजना क्रं. 18, ब्लाक नं. 9 मेजेनाइन फ्लोर, सिविक सेंटर, जबलपुर।
फोन : 0761-4085321

श्री शुभम् हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर
मल्टी स्पेशियेलिटी हॉस्पिटल
24 घंटे आकस्मिक चिकित्सा, सभी विभागों में भर्ती, एम्बुलेंस तथा दवाईयां, पैथोलॉजी तथा एक्सरे
•पॉइजनिंग •बर्न यूनिट •हॉर्ट अटैक •एक्सीडेंट एवं ट्रॉमा यूनिट
मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य सनिर्माण कर्मकार मण्डल के हितग्राहियों हेतु निःशुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध
श्री शुभम् हॉस्पिटल
मदन महल चौक, दशमेश द्वार के पास, नागपुर रोड, जबलपुर
फोन : 0761-4051253, 9329486447

सन शाईन प्रिंट ग्राफिक्स
LED LETTER 2D / 3D BOARD LASER CUTTING फ्लैक्स प्रिंटिंग
काम करने वाले लड़का / लड़की की अवश्यकता है
MOB. 9893500501, 8602000501
1. हीरा फर्नीचर के बाजू से रद्दी चौकी, जबलपुर
2. अधारताल थाने के सामने, अधारताल, जबलपुर

ACST Tally PYTHON JAVA C, C++ CPCT
प्रदेश का अग्रणी संस्थान SINCE 1996
नए बैच प्रारम्भ 40% छूट
चौपाटी के पास, सिविक सेंटर, जबलपुर मो: 4007077, 9993030707

JICS
माखनलाल चतुर्वेदी रा.प.एवं संचार विश्वविद्यालय से संबद्ध
M.Sc PG DCA DCA B.Com BCA TALLY प्रवेश प्रारंभ
जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ कम्प्यूटर साइंस
अधारताल भारत गैस के बाजू में मेन रोड जबलपुर
PH.:0761-4066631Mo.:9827200559, 9893322108

यश नर्सरी हा. से. स्कूल Estd. 2004
बोर्ड कक्षाओं में सर्वश्रेष्ठ परिणाम के लगातार 15 वर्ष
9वीं /11 वीं फेल/ पास विद्यार्थी सीधे 10वीं/12 वीं फार्म भरें
10th/12th में परसेन्ट बढ़ाने CBSC/ICSE से MP BOARD में एडमीशन पर स्पेशल डिस्काउंट
English & Hindi Medium
बस एवं हॉस्टल सुविधा उपलब्ध
नोटः- हमारे प्रयास से श्रेष्ठ बच्चों के साथ-साथ कमजोर बच्चे भी बेहतर रिजल्ट लाकर दिखाते हैं, इसलिए हम देते हैं बोर्ड परीक्षाओं में शत् प्रतिशत 100% रिजल्ट
गुलाब टावर के सामने, साक्षी बाइक प्वाइंट के बाजू में मानसरोवर कालोनी, अधारताल, जबलपुर
सम्पर्कः- 9303580611, 6263988587,7987974850, 0761-2680811 (समय- सुबहः 8 से शाम:4 तक)

न्यूट्रिशन बन चमकाएं अपना कॅरियर

न्यूट्रीशनिस्ट हेल्दी और बैलेंस्ड न्यूट्रीशन का महत्व समझते हैं। साथ ही यह अपने क्लाइंट्स को भी हेल्दी और बैलेंस्ड न्यूट्रीशन के बारे में जानकारी देते हैं। यह एक ऐसा काम है, जो हमेशा से ही डिमांड में रहता है। ऐसे में आप इस क्षेत्र में अपना कॅरियर चमका सकते हैं।

किस व्यक्ति को किस तरह की डाइट लेनी चाहिए, किस खाने में कौन से पोषक तत्व पाए जाते हैं। किसी तरह की बीमारी होने पर डाइट में किन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए। ऐसे बहुत से सवालों के जवाब यदि आपको पता हैं, या आप इन सवालों के जवाब देने में रुचि लेते है। तो बता दें कि आप डायटीशियन या न्यूट्रीशनिस्ट के तौर पर अपने कॅरियर की शुरूआत कर सकते हैं। न्यूट्रीशनिस्ट हेल्दी और बैलेंस्ड न्यूट्रीशन का महत्व समझते हैं। साथ ही यह अपने क्लाइंट्स को भी हेल्दी और बैलेंस्ड न्यूट्रीशन के बारे में जानकारी देते हैं। या फिर व्यक्ति की जरूरत के अनुसार, डाइट लेना सजेस्ट करते हैं। साथ ही यह वजन बढ़ाने से लेकर कम करने तक में मदद करते हैं।

क्या हैं फ्यूचर प्रोस्पेक्ट्स

यह एक ऐसा काम है, जो हमेशा से ही डिमांड में रहता है। या ऐसा भी कहा जा सकता है कि बदलते वक्त के साथ इसकी डिमांड भी बढ़ती जा रही है। लोग जैसे-जैसे अपनी हेल्थ और वेट को लेकर जागरुक हो रहे हैं। वैसे-वैसे न्यूट्रीशनिस्ट भी डिमांड में आते जा रहे हैं। वेलनेस सेंटर, हॉस्पिटल, हेल्थ सेंटर, ब्यूटी सेंटर, क्लीनिक से लेकर फिटनेस सेंटर्स तक पर इनकी जरूरत पड़ती है। ऐसे में इस क्षेत्र में आप का कॅरियर खूब फलेगा-फूलेगा

कोर्स

इस फील्ड में अपना कॅरियर बनाने के लिए कैंडिडट का साइंस बैकग्राउंड होना जरूरी है। 12वीं पास करने के बाद छात्र फूड एंड न्यूट्रीशन में BSc और MSc कोर्स किए जा सकते हैं। हायर स्टडीज के लिए आप इस फील्ड में पीएचडी भी कर सकते हैं। कई यूनिवर्सिटी में यह कोर्सेज ऑफर किए जाते हैं। इनमें सेलेक्शन लेने के लिए छात्रों को सामान्य तौर पर प्रवेश परीक्षा पास करनी होती है।

इन फील्ड में कर सकते हैं काम

इस कोर्स को करने के बाद अपने स्पेशलाइजेशन और रुचि के अनुसार, आप हेल्थ कोच, हेल्थ एजुकेटर एंड कम्यूनिटी हेल्थ वर्कर, पिडियाट्रिक न्यूट्रीशनिस्ट, पब्लिक हेल्थ न्यूट्रीशनिस्ट, क्लिनिकल डायटीशियन, होलिस्टिक न्यूट्रीशनिस्ट, स्पोर्ट्स न्यूट्रीशनिस्ट, कंसल्टेंट न्यूट्रीशनिस्ट आदि के तौर पर प्राइवेट और सरकारी विभागों में काम कर सकते हैं।

कितनी मिलेगी सैलरी

इस फील्ड में सैलरी अनुभव और पद के अनुसार मिलती है। ऐसे बताया जाए तो गवर्नमेंट ऑर्गेनाइजेशन में आपको 2.50 से 3.50 लाख रुपये तक आप कमा सकते हैं। वहीं प्राइवेट ऑर्गेनाइजेशन में साल के 3 से 5 लाख रुपये तक कमा सकते हैं। वहीं अनुभव बढ़ने के साथ ही आपकी सैलरी 8 लाख रुपए तक पहुंच सकती है।

लोकप्रिय करियर ऑप्शन बनता जा रहा है पत्रकारिता

अगर आप पत्रकारिता में करियर बनाने का ख्वाब रखते हैं और इस क्षेत्र के बारे में जानना चाहते हैं तो इस लेख में बात करते हैं कि छात्र पत्रकारिता में करियर कैसे बना सकते हैं और पत्रकार होने के लिए किन गुणों का होना बेहद जरूरी है।

पत्रकारिता छात्रों के बीच एक लोकप्रिय करियर ऑप्शन बनता जा रहा है। छात्र खबरों की दुनिया से खुद को जोड़े रखना चाहते हैं और पत्रकारिता में अपना करियर बनाना चाहते हैं। लेकिन पढ़ाई कहां से करनी है और किन गुणों का होना जरूरी है इस बात से छात्र अक्सर अपरिचित ही रह जाते हैं। अगर आप पत्रकारिता में करियर बनाने का ख्वाब रखते हैं और इस क्षेत्र के बारे में जानना चाहते हैं तो यह लेख आपके लिए ही है। आइए इस लेख में बात करते हैं कि छात्र पत्रकारिता में करियर कैसे बना सकते हैं और पत्रकार होने के लिए किन गुणों का होना बेहद जरूरी है।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन

पत्रकारिता में करियर बनाने के लिए ग्रेजुएशन की डिग्री होना आवश्यक है। देश भर में कई ऐसे प्राइवेट और सरकारी संस्थान हैं जो पत्रकारिता में ग्रेजुएशन की डिग्री देते हैं। 12वीं पास करने के बाद छात्र ग्रेजुएशन कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं या वे चाहें तो पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री भी प्राप्त कर सकते हैं। पत्रकारिता में करियर के लिए इन गुणों का होना बेहद जरूरी है

मजबूत भाषा

पत्रकार बनने का सबसे प्राथमिक गुण है भाषा पर पकड़ होना यानी भाषा का मजबूत होना। अगर पत्रकार बनना चाहते हैं तो अभी से अपनी भाषा पर काम करना शुरू कर दें। हिंदी और अंग्रेजी भाषा में मजबूती के साथ-साथ एक क्षेत्रीय भाषा भी सीखने का प्रयास करें।

खोजी दिमाग रखें

पत्रकार का दिमाग हर समय हर जगह खबर ढूंढता रहता है ऐसे में छात्रों को चाहिए कि स्कूली दिनों से ही अपने दिमाग को इस तरह से ट्रेन करिए कि आप हर जगह पर खबर ढूंढ पाएं। खबर ढूंढ़ना एक पत्रकार की निशानी है।

कॉन्फिडेंस और धैर्य दोनों हो

एक पत्रकार को कॉन्फिडेंट और धैर्यवान दोनों होना चाहिए। आपकी खबर में इतनी ताकत हो कि सच कहने से ना घबराए और इतना धैर्य हो कि सच्ची खबर के लिए आप घंटो इंतजार कर पाएं।

अलर्ट रहें

एक पत्रकार अपने आंख और कान बाकी लोगों के मुकाबले हमेशा खुला रखता है। कब कौन सी बड़ी खबर आपके सामने आ जाए ये किसी को नहीं पता। इसी कारण पत्रकार में यह गुण होना चाहिए कि वह हमेशा अलर्ट रहे।

कम्युनिकेशन स्किल्स

कम्युनिकेशन स्किल्स का बेहतर होना एक पत्रकार के लिए बेहद जरूरी है। आपको लोगों से बात करना आना चाहिए और लोगों तक अपनी बात पहुंचाने का भी हुनर आपके भीतर होना चाहिए।

विषयों का गहन अध्ययन

पत्रकारिता के विषय में कहा जाता है कि उसके पास एक आईएएस जितना ज्ञान और एक सिपाही जितनी ताकत होनी चाहिए। अगर पत्रकारिता के क्षेत्र में करियर बनाना है तो पॉलिटिक्स, कल्चर, धर्म और सामाजिक और समसामयिक मुद्दों की गहन जानकारी होनी चाहिए।

जॉब की संभावनाएं

पत्रकारिता के माध्यमों को प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल माध्यम के रूप में बांटा जा सकता है। प्रिंट माध्यम में अखबार, मैगजीन और किताबें आती हैं जबकि इलेक्ट्रॉनिक माध्यम में टीवी शामिल है वहीं इंटरनेट माध्यम को डिजिटल माध्यम के रूप में देखा जा सकता है। वर्तमान में जानकारी और सूचना के बढ़ते माध्यमों में अधिक अधिक लोगों की आवश्यकता है। आप पत्रकार के रूप में तीनों में से किसी भी माध्यम से जुड़ सकते हैं या अपना कुछ कार्य अलग से शुरू कर सकते हैं। इसके साथ ही कई क्षेत्र उपलब्ध है जिसमें आप पत्रकारिता कर सकते हैं उदाहरण के लिए पॉलिटिकल बीट, एंटरटेनमेंट बीट या फिर एजुकेशन बीट। हिंदी, अंग्रेजी किसी भी माध्यम को चुना जा सकता है। इन माध्यमों के अलावा छात्र पीआर एजेंसी, पब्लिशिंग हाउस या रेडियो स्टेशन में भी अपना करियर बना सकते हैं।

गाड़ियों ओवरऑल लुक को डिजाइन करते हैं ऑटोमोटिव इंजीनियर्स

जब भी बात गाड़ियों के लुक की होती है, तो कुछ गाड़ियां खुद ही हमारे जहन में आ जाती हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि उनकी डिजाइनिंग उस समय के हिसाब से बिल्कुल हटकर और कंफर्ट लेवल को ध्यान में रखकर की गई होती है। गाड़ियों के इसी ओवरऑल लुक की डिजाइनिंग करते हैं ऑटोमोटिव इंजीनियर्स। अगर आपको भी वाहनों से जुड़ी हर छोटी-बड़ी बात आकर्षित करती है, तो आप भी ऑटोमोटिव डिजाइनर बन सकते हैं।

क्या है ऑटोमोटिव डिजाइन?

ऑटोमोबाइल्स के अपीयरेंस और फंक्शनैलिटी को डिजाइन करने की प्रक्रिया ऑटोमोटिव डिजाइनिंग कहलाती है। इसमें कार, बाइक, ट्रक, बस आदि हर सेग्मेंट के वाहन शामिल हैं। इसके तहत गाड़ियों की इंटीरियर व एक्सटीरियर डिजाइन, कलर स्कीम और शेप पर भी काम किया जाता है।

जॉब प्रोफाइल

किसी भी ऑटोमोबाइल को बनाने के लिए बेसिक आइडिया की जरूरत होती है। आइडिया जनरेशन ही ऑटोमोटिव डिजाइनर की प्रमुख जिम्मदारी है। इंजीनियर्स और डिजाइनर्स की टीम इस आइडिया पर चर्चा करती है और फिर कॉन्सेप्ट तैयार हो जाने पर डिजाइनर्स सॉफ्टवेयर की मदद से गाड़ी का बेसिक स्केच बनाते हैं, जो 3डी होता है। इसमें वाहन की हर बेसिक डीटेल शामिल होती है। साथ ही इंटीरियर और एक्सटीरियर की कलर स्कीम की जानकारी भी देनी होती है। डिजाइन फाइनल होने के बाद गाड़ी का स्केल मॉडल बनाया जाता है।

जरूरी स्किल

ऑटोमोटिव डिजाइनर बनने की सबसे पहली शर्त तो यह है कि आपमें सड़क पर चलने वाली हर गाड़ी के लिए पैशन होना चाहिए। साथ ही आपके पास वाहनों के निर्माण और उनकी फंक्शनैलिटी के बारे में बेसिक जानकारी भी होनी चाहिए। सृजनात्मकता के साथ ही आपमें ड्रॉइंग और स्कल्पचर बनाने में रुचि भी होनी चाहिए।

कौन-से कोर्स?

इस उद्योग में करियर बनाने के लिए डिजाइनिंग में बैचलर्स की डिग्री होनी जरूरी है। आप चाहें, तो डिजाइनिंग में मास्टर्स करके अपना ज्ञान और बढ़ा सकते हैं। इससे जॉब पाने की संभावना भी बढ़ जाती है। वैसे इस उद्योग में सर्वाइवल और करियर ग्रोथ के लिए डिजाइन स्किल्स ही मायने रखती हैं। आप चाहें, तो कोर्स पूरा करने के बाद किसी कंपनी में इंटर्नशिप करके डिजाइनिंग की बारीकियां सीख सकते हैं।

भविष्य की संभावनाएं

ऑटोमोटिव डिजाइनर बड़े ऑटोमोबाइल निर्माताओं के कॉन्सेप्ट एंड डिजाइनिंग डिपार्टमेंट में काम करते हैं। अगर बात पे-पैकेज की करें, तो यह फील्ड काफी आकर्षक है। ज्यादातर कंपनियां ऑटोमोटिव डिजाइनर्स को अच्छा पैकेज देती हैं। भारत में आम तौर पर इस फील्ड में 5 लाख रुपए के वार्षिक पैकेज से शुरूआत होती है। अनुभव के साथ यह बढ़ता जाता है।

दुनिया की टॉप यूनिवर्सिटी में एडमिशन के लिए फॉलो करें ये स्टेप

विदेश में पढ़ाई करने की चाह रखने वाले छात्रों के मन में सैकड़ों सवाल रहते हैं। ऐसे में आज हम आपको विदेश के कुछ टॉप कॉलेजों के बारे में बताने जा रहे हैं। साथ ही यह भी बताएंगे कि विदेश में पढ़ाई के लिए आप किस तरह से एडमिशन ले सकते हैं।

विदेश में पढ़ाई करने के ख्याल से छात्रों का मन रोमांच से भर जाता है। लेकिन इसके अगले पल ही विदेश में पढ़ाई के लिए आने वाली चुनौतियां और मुश्किलें सोचकर ही पसीना आने लगता है। विदेश में पढ़ाई के लिए कैसे अप्लाई किया जाए, किस कॉलेज में एडमिशन लें, किस कोर्स में एडमिशन लें और फीस कितनी होगी। विदेश में पढ़ाई करने की चाह रखने वाले छात्रों के मन में ऐसे सैकड़ों सवाल रहते हैं। ऐसे में आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए विदेश के कुछ टॉप कॉलेजों के बारे में बताने जा रहे हैं। साथ ही यह भी बताएंगे कि विदेश में पढ़ाई के लिए आप किस तरह से एडमिशन ले सकते हैं।

कोर्स और यूनिवर्सिटी

अगर आपका भी विदेश में पढ़ाई का सपना है, तो सबसे पहले कोर्स तय करें। कई ऐसे कोर्स होते हैं, जिनकी काफी ज्यादा डिमांड होती है। यह कोर्स करने से आप अपने कॅरियर को नई ग्रोथ दे सकते हैं। ऐसे में इन कोर्सेज को करने से आपको फौरन नौकरी मिल सकती है। इन सारी बातों का ख्याल करते हुए एक कोर्स सेलेक्ट कर लें। कोर्स तय करने के बाद अच्छी सी यूनिवर्सिटी देख लें। जैसे कौन सी यूनिवर्सिटी अच्छी है और किस देश में स्कॉलरशिप मिल सकती है। उस यूनिवर्सिटी का प्लेसमेंट रिकॉर्ड कैसा है। इन सभी चीजों के बारे में अच्छे से जानकारी हासिल कर लें।

पढ़ाई का खर्च कैलकुलेट करें

आमतौर पर विदेश में पढ़ाई करना काफी ज्यादा महंगा होता है। इसलिए आप किसी भी यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेने से पहले एक बजट बनाएं। इसके बाद देखें कि आप यूनिवर्सिटी के प्रोग्राम की फीस और वहां पर रखने आदि का खर्चा फिट बैठ रहा है या नहीं। साथ ही यह भी चेक कर लें कि कितना स्टूडेंट लोन मिल पाएगा। बता दें कि कई विदेशी यूनिवर्सिटीज 100 फीसदी तक स्कॉलरशिप देती हैं।

पार्ट टाइम जॉब का स्कोप

विदेश की किसी भी यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेते समय यह देखना ना भूलें कि विदेश में पढ़ाई के साथ ही आप कितने घंटे पार्ट टाइम में काम कर सकते हैं। क्योंकि कई छात्र पढ़ाई के साथ पार्ट टाइम जॉब भी करते हैं और अपना खर्च निकाल सकते हैं। इसलिए ऐसी यूनिवर्सिटी में एडमिशन लें, जहां पर काम करने की छूट मिलती है।

डॉक्यूमेंट्स इकट्ठा करें

जब आपने कोर्स और यूनिवर्सिटी सेलेक्ट कर ली। पढ़ाई का खर्चा भी कैलकुलेट कर लिया तो अब आप अपने डॉक्यूमेंट्स एकत्र कर लें। डॉक्यूमेंट्स में आप अपना पासपोर्ट, आईडी, मोटिवेशन लेटर, एग्जाम स्कोर कार्ड, रिकमेंडेशन लेटर और स्टूडेंट वीजा आदि एकत्र कर लें। विदेश में पढ़ने की चाह रखने वाले छात्रों को एडमिशन से करीब 10-12 महीने पहले यूनिवर्सिटी और कोर्स फाइनल कर लेना चाहिए। इस दौरान अपना सीवी, बायोडाटा, एसओपी और रिकमेंडेशन लेटर आदि तैयार कर लें।

एंट्रेंस एग्जाम के लिए रजिस्ट्रेशन

अगर आपके द्वारा सेलेक्ट किए गए कोर्सेज में एडमिशन के लिए एंट्रेंस एग्जाम होता है, तो उसके लिए अप्लाई कर दें। विदेश में पढ़ाई करने के लिए SAT, GMAT, GRE जैसे कई एप्टीट्यूड टेस्ट के अलावा लैंग्वेज प्रोफिसिएंसी के लिए भी IELTS, TOEFL, PTE जैसी परीक्षाएं पास करनी होती हैं।

विद्या बालन ने जाहिर की अपनी दिली ख्वाहिश

बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन अपनी फिल्म दो और दो प्यार को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। बोल्ड और बेबाक अंदाज के लिए प्रसिद्ध विद्या बालन की फिल्मों का फैंस बेसब्री से इंतजार करते हैं। उनकी फिल्म दो और दो प्यार रिलीज हो गई है। यह एक रोमांटिक फिल्म है, जिसका निर्देशन शीर्ष गुहाल ठाकुरता ने किया है। इस फिल्म को लेकर विद्या लागातार इंटरव्यू दे रही हैं। इसी दौरान विद्या ने अपनी एक दिली इच्छा जाहिर की है।

विद्या बालन ने अपने करियर में कई तरह की फिल्में की हैं। विद्या अब शाहरुख के साथ एक रोमांटिक फिल्म करना चाहती हैं, ताकि वह अपने फैंस को और भी एंटरटेन कर सकें। साल 2007 में आई विद्या की फिल्म हे बेबी में शाहरुख खान ने कैमियो किया था। शाहरुख इस फिल्म के गाने मस्त कलंदर में नजर आए थे। इस फिल्म में उनके साथ अक्षय कुमार, रितेश देशमुख और फरदीन खान नजर आए थे। हालांकि यह बात और कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई। लेकिन अब जबकि विद्या ने शाहरुख के साथ रोमांटिक फिल्म करने की इच्छा को जाहिर कर दिया है, ऐसे में देखना यह है कि इस पर शाहरुख का कोई रिएक्शन आता भी है या नहीं। एक इंटरव्यू के दौरान जब विद्या से पूछा गया कि वह बॉलीवुड में किस अभिनेता के साथ काम करना चाहती हैं तो उन्होंने कहा, मेरा किरदार शाहरुख खान के साथ फिल्म ओम शांति ओम में बहुत ही कम समय के लिए था, लेकिन मैं शाहरुख के साथ एक अच्छी लव स्टोरी में काम करना चाहती हूं। हाल ही में एक और इंटरव्यू में विद्या ने कहा था कि वह कॉमेडी फिल्म करना चाहती हैं। इसपर विद्या ने कहा, बतौर अभिनेत्री में मुझे कभी कॉमेडी फिल्म करने का मौका नहीं मिला, लेकिन मैं करना चाहती हूं। मुझे लगता है कि हंसना और हंसाना है, थोड़े दिनों के लिए, थोड़े टाइम के लिए, थोड़े सालों के लिए।

ठग लाइफ में तृषा कृष्णन के साथ जमेगी सिम्बू की जोड़ी

कमल हासन की मुख्य भूमिका वाली ठग लाइफ तमिल फिल्म उद्योग की बहुप्रतीक्षित परियोजनाओं में से एक है। फिल्म निर्माता मणिरत्नम द्वारा निर्देशित यह सितारों से सजी फिल्मों में से एक है। कुछ दिनों पहले ऐसी खबरें आईं कि दुलकर सलमान और जयम रवि इस परियोजना से बाहर हो गए हैं, लेकिन हाल ही में अटकलें थीं कि यह जोड़ी परियोजना पर वापस आ गई है। वहीं अब कलाकारों की टीम में अभिनेता सिलंबरासन उर्फ सिम्बू भी कलाकारों में शामिल हो गए हैं।

इस दिन शुरू होगी शूटिंग

हालिया अपडेट के अनुसार, सिलंबरासन को ठग लाइफ में एक प्रमुख भूमिका निभाने की पुष्टि की गई है और उनकी जोड़ी अभिनेत्री तृषा कृष्णन के साथ बनेगी। इस फिल्म से पहले दोनों रोमांटिक ड्रामा फिल्म विन्नैथंडी वरुवाया में साथ नजर आए थे। सिलंबरासन में कमल हासन के साथ संयोजन दृश्य भी होंगे, जिनकी शूटिंग मई के पहले सप्ताह से शुरू होगी। ठग लाइफ का एक शेड्यूल जैसलमेर में शूट किया जाएगा, जिसमें अभिनेता तृषा, सिलंबरासन, गौतम कार्तिक, नासिर और ऐश्वर्या लक्ष्मी भाग लेंगे। इसके बाद दल दिल्ली चला जाएगा।

चुनाव के बाद शूटिंग होगी शुरू सिलंबरासन की कास्टिंग को लेकर मेकर्स अब तक चुप्पी साधे हुए हैं। इससे

पहले यह कहा गया था कि दुलकर सलमान और जयम रवि दोनों ने तारीखों के मुद्दों के कारण परियोजना से बाहर कर दिया था। हालांकि, हालिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि दोनों प्रोजेक्ट पर वापस लौट आए हैं। राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल और मद्रास टॉकीज द्वारा समर्थित ठग लाइफ क्लासिक गैंगस्टर फिल्म नायकन के बाद कमल और मणिरत्नम के पुनर्मिलन का प्रतीक है। लोकसभा चुनाव के कारण फिल्म का निर्माण रोक दिया गया था।

मैं अमरजोत कौर-अमर सिंह चमकीला की तरह जिंदगी जीना चाहती हूं

निर्देशक इम्तियाज अली की फिल्म चमकीला की रिलीज के बाद पूरा सोशल मीडिया फिल्म की तारीफों से भर गया है। जहां देखो सिर्फ और सिर्फ चमकीला की ही तारीफ हो रही है। इसके साथ ही फिल्म के दोनों कलाकार दिलजीत दोसांझ और परिणीति चोपड़ा के अभिनय की भी जमकर तारीफ हो रही है।

फिल्म में परिणीति चोपड़ा ने अमरजोता कौर का किरदार निभाया है, जबकि दिलजीत दोसांझ ने फिल्म में सिंगर अमर सिंह चमकीला का किरदार निभाया है। यह फिल्म 12 अप्रैल को नेटफिलक्स पर रिलीज हुई थी। परिणीति के फैंस का मानन है कि वह फिल्म चमकीला के जरिए फिल्मों में वापस आ चुकी हैं और अब वह लगातार फिल्में करती रहेंगी। फिल्म चमकीला से चमक गई हैं परिणीति चोपड़ा की भी किस्मत। फिल्म चमकीला की चारों ओर तारीफ हो रही है। पूरा सोशल मीडिया में फिल्म के अलावा परिणीति और दिलजीत के अभिनय की भी जमकर तारीफ हो रही है। इसी दौरान एक इंटरव्यू में जब परिणीति से पूछा गया कि वह क्या करेंगी अगर वह दूसरी दुनिया में निभाए गए किरदार अमरजोत कौर से मिलती हैं तो? परिणीति ने कहा, मैं सोच भी नहीं सकती। वे दोनों मेरे लिए भगवान की तरह हैं। इस बारे में ही सोचकर मेरे रौंगटे खड़े हो गए हैं। आगे परिणीति ने कहा वह सच्चे क्रांतिकारी थे। वह सच में भारत और भारतवासियों की सेवा कर रहे थे। बिना अपनी परवाह करे बगैर, यह सोचे बगैर कि इसकी वजह से उनकी मृत्यु भी हो सकती है। लेकिन उन्हें इसकी बिल्कुल भी परवाह नहीं थी। वह जिए और उन्होंने अच्छे से परफॉर्म किया, उन्हें केवल अपने दर्शकों की चिंता थी। आगे परिणीति कहती है कि वह अपने निभाए गए अमरजोत कौर के किरदार की तरह ही अपना जीवन जीना चाहती है। परिणीति ने कहा, मैं अपना जीवन उस तरह से जी पाऊंगी जैसा मैं जीना चाहती हूं। मुझे लगता है कि चमकीला और अमरजोत जी के बारे में यह बहुत बड़ी बात है। वे दोनों (अमरजोर कौर और दिलजीत) कभी किसी के दबाव में नहीं झुके। फिल्म चमकीला पंजाब के मशहूर सिंगर अमर सिंह चमकीला पर आधारित फिल्म है। इस फिल्म को लगातार सोशल मीडिया पर भरपूर प्यार मिल रहा है। साथ ही दर्शक और बॉलीवुड की कई हस्तियां लगातार फिल्म को लेकर अपने रिव्यू स्टारकास्ट के सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर कर रहे हैं।

हर्षवर्धन कपूर ने ट्रोल करने वालों को दिया मुंहतोड़ जवाब

सोशल मीडिया पर अक्सर सितारे ट्रोल्स के निशाने पर रहते हैं। आए दिन बॉलिवुड अभिनेता-अभिनेत्रियों की ट्रोलिंग से जुड़ी खबरें सुर्खियां बटोरती हैं। ताजा मामले में ट्रोल्स ने हर्षवर्धन कपूर को शिकार बनाया है। उनके एक पोस्ट पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा, एक अच्छी फिल्म करो, कब तक आप अपने पापा के पैसे से जूते खरीदोगे? इसके बाद हर्षवर्धन कपूर ने भी ट्रोल करने वालों को तगड़ा जवाब दिया।

हर्षवर्धन ने दिया ट्रोल को मुंहतोड़ जवाब हर्षवर्धन अक्सर सोशल मीडिया पर ट्रोलर्स को आड़े हाथ लेते रहते हैं । वह अन्य सितारों की तरह ट्रोलर्स को नजरअंदाज नहीं करते । हाल हीं में एक ट्रोल ने उनकी अभिनय क्षमता, फिल्मों के चयन को लेकर आलोचना करते हुए कहा कि वह अपने पिता अनिल कपूर के पैसे से जूते खरीदते हैं। दरअसल हर्षवर्धन कपूर ने मैनचेस्टर सिटी फुटबॉल टीम को लेकर एक आलोचनात्मक पोस्ट अपने एक्स अकांउट पर किया था। इस पर एक ट्रोल ने कमेंट किया, एक अच्छी फिल्म कर लो, कब तक पापा के पैसे से जूते खरीदोगे? इस पर हर्षवर्धन ने जवाब दिया, मैं तुम्हारी फिल्में कहां देख सकता हूं? तुमने कितनी फिल्में की हैं? मैनें तो रे,थार,भावेश जोशी, ए.के. वर्सेज ए.के. और मिर्जया की हैं, तुम कौन हो?.. एक हारा हुआ व्यक्ति!

आखिरी बार फिल्म थार में आए थे नजर हर्षवर्धन कपूर एक प्रतिभावान अभिनेता हैं, जिन्हें मिर्जया और भावेश जोशी जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। हालांकि इन फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर बहुत ज्यादा कामयाबी तो हासिल नही की, लेकिन दर्शकों से इन्हें प्यार जरूर मिला। वह सदाबहार अभिनेता अनिल कपूर के बेटे और अभिनेत्री सोनम कपूर के भाई हैं।

डीपफेक वीडियो से परेशान हुए रणवीर

टेक्नॉलजी में तरक्की ने जहां लोगों की कई समस्याओं को सुलझाया है, तो वहीं इसने कई ऐसी नई समस्याओं को जन्म भी दिया है। आए दिन कोई न कोई इसका शिकार बनता है। कुछ समय पहले पुष्पा फेम अभिनेत्री रश्मिका मंदाना का एक डीपफेक वीडियो वायरल हुआ था, जिसे लेकर काफी हल्ला भी मचा था। अब बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह इसके शिकार बने हैं। अभिनेता का एक डीपफेक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह राजनीतिक पार्टी को प्रमोट करते हुए दिखाई दे रहे हैं। रणवीर सिंह इस फर्जी वीडियो में एक राजनीतिक पार्टी का प्रचार करते हुए दिखाई दे रहे हैं। बीते कुछ दिनों में यह वीडियो काफी तेजी से फैल रही थी। इस वीडियो को लेकर रणवीर सिंह ने अपने सोशल मीडिया अकांउट पर प्रतिक्रिया देते हुए लोगों से डीपफेक से बचने की चेतावनी दी है। अभिनेता ने इस तरह के वीडियो से लोगों को बचने की सलाह देते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया है। रणवीर सिंह से पहले आलिया भट्ट, कटरीना कैफ, काजोल, रश्मिका मंधाना, नोरा फतेही समेत कई अन्य सितारे भी इस डीपफेक ट्रेंड का शिकार बन चुके हैं। तेजी से वायरल हो रही रणवीर सिंह की इस वीडियो को एडिट कर के आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स के माध्यम से बनाया गया है। इस वीडियो को रणवीर के हालिया वाराणसी दोरे से जोड़ा गया है, वह वाराणसी के नमो घाट पर अभिनेत्री कृति सैनन के साथ मशहूर डिजायनर मनीष मल्होत्रा के फैशन शो में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे थे।

ब्लाइंड स्कूल में दृष्टिबाधितों से घंटों मिलते थे राजकुमार राव

श्रीकांत का किरदार निभाने में लगा डर

अभिनेता राजकुमार राव अपनी आने वाली फिल्म श्रीकांत - आ रहा है सबकी आंखें खोलने को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही दर्शक इस फिल्म को देखने का इंतजार कर रहे हैं। दर्शक इस अनूठी फिल्म को देखने के लिए काफी उत्सुक नजर आ रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि इस फिल्म के जरिए उनको लीक से हटकर कुछ देखने को मिलेगा। दर्शकों की ओर से जिस तरह की प्रतिक्रियाएं आ रही है, उसे देखकर लगता है कि फिल्म का ट्रेलर लोगों पर असर कर चुका है। इसी बीच, राजकुमार राव ने इस फिल्म को लेकर कुछ बातें साझा की है।

श्रीकांत की कहानी काफी प्रेरणादायक है

राजकुमार राव ने कहा कि इस फिल्म की कहानी काफी प्रेरणादायक है। श्रीकांत का जन्म एक बहुत ही गरीब परिवार में हुआ था। उन्होंने अपने जीवन में बहुत कुछ हासिल किया है। उन्होंने एक मिलियन डॉलर की कंपनी को खड़ा किया। मैं सोचता हूं कि यह कहानी मेरे लिए काफी प्रेरणा से भरी है। मालूम हो कि यह फिल्म दृष्टिबाधित भारतीय उद्योगपति श्रीकांत बोल्ला के जीवन पर आधारित है। फिल्म में राजकुमार राव ने श्रीकांत का किरदार निभाया हैं।

राजकुमार राव ने कहा कि श्रीकांत दृष्टिबाधित हैं। इससे पहले मैंने कभी ऐसा किरदार अदा नहीं किया है। यह किरदार मेरे लिए काफी चुनौतीपूर्ण था। मुझे लगा कि इस किरदार को करने में काफी डर लगेगा, लेकिन जब डर लगेगा तभी तो मजा आएगा। राजकुमार ने फिल्म की तैयारी पर बात करते हुए कहा कि वे ब्लाइंड स्कूल में जाया करते थे और दृष्टिबाधित लोगों के साथ घंटों बिताते थे। उनकी जिंदगी के बारे में जानना, वे दुनिया को कैसे देखते हैं और उनके अंदर क्या चलता है। यह सब जानना बहुत जरुरी था। इसके अलावा श्रीकांत के साथ भी खूब समय बिताया।

फिल्मों में कब वापसी करेंगे इमरान खान?

अभिनेता ने खुद दिया जवाब

बॉलीवुड अभिनेता इमरान खान काफी लंबे समय से फिल्मों से दूर है। उनके चाहने वाले उन्हें बड़े पर्दे पर देखने के लिए तरस गए हैं। इमरान की वापसी को लेकर प्रशंसक सोशल मीडिया पर भी चर्चा करते रहते हैं। हाल ही में, खुद इमरान खान ने इस सवाल का जवाब दे दिया है कि वे फिल्मों में कब वापसी करेंगे।

करियर से जुड़े सवालों के दिए जवाब इमरान खान ने हाल ही में दिए एक साक्षात्कार में अपने करियर से जुड़े कई सवालों का जवाब दिया। इनमें किसी नई फिल्म की स्क्रिप्ट मिलने और फिल्मों में वापसी करने का सवाल सबसे बड़ा था। इमरान ने अपना जवाब देते हुए कहा कि वे अभी भी फिल्मों में लौटने पर विचार कर रहे हैं। कुछेक चीजें मिली है, जो उन्हें पसंद आई है, लेकिन कोई ऐसा काम फिलहाल नहीं मिला है, जो बनने के लिए तैयार हो।

इमरान खान ने फिल्मों से दूर होने का फैसला करने के सवाल का बड़ा ही दिलचस्प जवाब दिया। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि जिंदगी करियर से कहीं ज्यादा है। मेरी पहचान केवल बॉलीवुड अभिनेता होने से ही नहीं है। वे सफलता को ज्यादा काम मिलने या कमाई करने से नहीं मापते हैं। उनका मानना है कि अहम बात यह है कि आखिर एक आदमी जीवन से क्या चाहता है। उन्हें हमेशा ऐसा लगता था कि अगर वे वाकई में ज्यादा काम या कमाई करना चाहते हैं, तो वे फिल्मों में लौटने का रास्ता ढूंढ सकते थे। अभिनय के अलावा वे निर्देशन या स्वतंत्र फिल्में भी बना सकते थे।

600 से अधिक युवक-युवतियों ने दिया परिचय

त्रिपुरी टाइम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

कलचुरी समाज ने युवक-युवतियों को एक विशाल मंच देकर समाज में प्रेरणादाई कार्य किया है। मैं समाज के सभी पदाधिकारियों को अपनी ओर से बधाई प्रेषित करता हूं। ये विचार कलचुरी युवक युवती परिचय सम्मेलन में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू के द्वारा मुख्य अतिथि के तौर पर व्यक्त किए। महापौर ने बताया कि कलचुरी समाज से मेरा पुराना जुड़ाव रहा है। वैसे तो मुझे अनेक समाजों का आशीर्वाद मिल रहा है। लेकिन कलचुरी समाज की बात ही कुछ और है। आपके समाज में मैं कुछ इस तरह घुला-मिला हूं कि मुझे लगता है कि मैं भी कलचुरी समाज का ही हूं। कलचुरी महासभा जबलपुर निरंतर कार्य करने वाला सक्रिय संगठन है। कलचुरी महासभा जबलपुर विगत अनेक वर्षों से निरंतर परिचय सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। यह संगठन की गतिशीलता का प्रभाव ही है। सभी पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई।

भगवान सहस्त्रार्जुन के पूजन से शुरूआत

रविवार, कलचुरी समाज 29 वें युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोज मानस भवन में किया गया। सर्वप्रथम कलचुरी कुल गौरव राजरजेश्वर कार्तवीर्य भगवान सहस्त्रार्जुन के तैल चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। गणेश वंदना एवं अतिथियों के स्वागत के पश्चात 600 युवक एवं युवतियों ने मंच पर आकर अपना परिचय दिया।

कलचुर गौरव पत्रिका का विमोचन

कलचुरी समाज की गतिविधियों, मेधावियों की जानकारी एवं विवाह योग्य युवक-युवतियों के बायोडाटा को समाहित करने वाली पूरे अंचल में लोकप्रिय कलचुरी गौरव पत्रिका का विमोचन मुख्य अतिथि महापौर जगत बहादुर सिंह "अन्नू" समाज के अध्यक्ष मनोहर चौकसे, महामंत्री बीडी राय, कार्यकारी अध्यक्ष डॉ राजेश जायसवाल, कलचुरी महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती रेखा चौकसे आदि ने किया। इस अवसर पर संपादक मंडल के शैलेंद्र महाजन संजय चौकसे, संजय शिवहरे, संदीप चौकसे, राजीव चौकसे, देवेंद्र चौकसे, राजेश जायसवाल पप्पू, आशीष राय आदि उपस्थित रहे।

इनका हुआ सम्मान

सम्मेलन में जिला अधिवक्ता संघ के हाल ही में संपन्न हुए चुनाव में निर्वाचित हुई उपाध्यक्ष एडवोकेट ज्योति राय एवं संयुक्त सचिव एडवोकेट मनोज शिवहरे, टीआई बेलखेड़ा श्रीमती सरोजिनी चौकसे एवं विशाल चौकसे (सीआईडी) पुलिस जबलपुर का सम्मान किया गया।

यूपी और महाराष्ट्र से भी आए...

सम्मेलन में मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों के साथ ही उत्तर प्रदेश एवं महाराष्ट्र से भी काफी संख्या में युवक-युवती अपने अभिभावकों के साथ आए। सम्मेलन में लगभग 1200 से अधिक लोग उपस्थित रहे।

यह रहे उपस्थित

कार्यक्रम में अध्यक्ष मनोहर चौकसे, महामंत्री बीडी राय, प्रो. जीएस चौकसे, डॉ आरएल शिवहरे, प्रदीप चौकसे, व्ही के गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष डा राजेश जायसवाल, दिनेश शिवहरे, महिला अध्यक्ष श्रीमती रेखा चौकसे शिवहरे, मिथिलेश चौकसे, शैलेन्द्र महाजन, डॉ अनिल राय, केएस राय, संजय शिवहरे, राजेश जायसवाल पप्पू, कौशलेंद्र महाजन, रवींद्र चौकसे, विष्णु प्रसाद चौकसे, संजय महाजन, जेपी राय, राधेश्याम राय, संदीप चौकसे, राजीव चौकसे, सद्गुरु राय, संजय चौकसे, जेपी राय, देवेन्द्र चौकसे ,संतोष जायसवाल, दिनेश शिवहरे, राजेंद्र राय, अभिषेक चौकसे, गोविंद राय, मनीष चौकसे, संजय महाजन, रवि शंकर राय, डीके जायसवाल, महिला मंडल की महिला मंडल की महामंत्री उमा भारती जायसवाल, प्रमिला राय ,उषा राय , विजयलक्ष्मी जायसवाल, अरुणा शिवहरे , सपना राय, प्रभा चौकसे, कल्पना महाजन, रोजी महाजन, मधु चौकसे, दीपा राय, रेखा राय, पूर्णिमा राय, प्रियंका जायसवाल, छाया चौकसे, वंदना जायसवाल, कविता जायसवाल, कृष्णा चौकसे आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन राजीव चौकसे द्वारा किया गया।

कलचुरी महासभा निरंतर कार्य करने वाला सक्रिय संगठन : महापौर

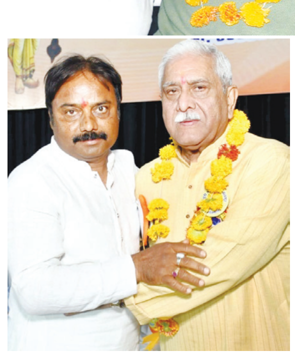

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक डॉ. राजेश जायसवाल के लिए, एन.एम. पब्लिकेशन प्रा. लि., उखरी चौक, एम.आर.-4 रोड, जबलपुर (म.प्र.) से मुद्रित और कल्चुरी भवन हाउस नं. 3367/1, विवेक नगर, आधारताल, जबलपुर (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक : डॉ.राजेश जायसवाल* सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के जिम्मेदार। आरएनआई नं. MPHIN/2014/60079 मो. 9425154229, फोन-0761-4085321 e-mail: tripuritimes@gmail.com